हिन्दी दैनिक

RNI No- UPHIN/2017/75293

तरुण प्रवाह

लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष : 07 अंक : 150 लखनऊ, शुक्रवार 01 दिसम्बर 2023 पृष्ठ : 4 मूल्य : 1 रूपये

संक्षिप्त समाचार

आयुर्वेदिक सिरप पीने से 5 लोगों की मौत

एजेंसी

अहमदाबाद। गुजरात के खेड़ा जिले में कथित तौर पर मिथाइल अल्कोहल युक्त आयुर्वेदिक सिरप पीने से पिछले दो दिन में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई और दो लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि खेड़ा जिले में नाडियाड शहर के निकट बिलोदरा गांव में एक दुकानदार द्वारा 'कालमेघसव–आसव अरिष्ट नामक आयुर्वेदिक सिरप लगभग 50 लोगों को बेचा गया था। खेड़ा के पुलिस अधीक्षक राजेश गढ़िया ने कहा, ''एक ग्रामीण के रक्त के नमूने की रिपोर्ट से पुष्टि हुई कि सिरप बेचने से पहले उसमें मिथाइल अल्कोहल मिलाया गया था। उन्होंने कहा, ''पिछले दो दिन में सिरप पीने से पांच लोगों की मौत हो चुकी है और दो अन्य का अभी भी इलाज किया जा रहा है। हमने विस्तृत पूछताछ के लिए दुकानदार सहित तीन लोगों को हिरासत में लिया है। मिथाइल अल्कोहल एक जहरीला पदार्थ है।

नगर निगम नौकरी मामला, टीएमसी पार्षद को साथ ले गई सीबीआई

एजेंसी

कोलकाता। नगर पालिका भर्ती अनियमितता मामले में गुरुवार को तृणमूल कांग्रेस के पार्षद और बिधाननगर नगर निगम (बीएमसी) के मेयर–इन–काउंसिल देबराज चक्रवर्ती के आवास पर चार घंटे की छापेमारी के बाद सीबीआई के अधिकारी उनको वहा से लेकर चले गए। हालांकि उन्हें सीबीआई वाहन में चढ़ते देखा गया था, रिपोर्ट दाखिल होने तक केंद्रीय एजेंसी के अधिकारियों ने अभी तक इसकी पुष्टि नहीं की थी कि चक्रवर्ती को गिरफ्तार किया गया या नहीं। पता चला है कि सीबीआई के अधिकारी चक्रवर्ती को कोलकाता के उत्तरी बाहरी इलाके नागेरबाजार इलाके में एक स्टूडियो में ले गए हैं, जो उनकी पत्नी अदिति मुंशी के स्वामित्व में है। अदिति मुंशी एक प्रशंसित भक्ति गायिका हैं और पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के राजारहाट–गोपालपुर निर्वाचन क्षेत्र से तृणमूल कांग्रेस की विधायक भी हैं। सीबीआई वाहन में चढ़ते समय मीडिया से बात करते हुए चक्रवर्ती ने कहा कि वह जांच प्रक्रिया पूरी होने के बाद बोलेंगे, क्योंकि जांच कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश पर की जा रही है। गौरतलब है कि चक्रवर्ती को पिछले साल अक्टूबर में चुनाव बाद हिंसा के एक मामले में पूछताछ के लिए सीबीआई अधिकारियों ने बुलाया था।

राजस्थान के सीएम का दावा, कांग्रेस सभी पाँच राज्यों में सरकार बनाएगी

एजेंसी

नयी दिल्ली। एग्जिट पोल से पहले गुरुवार शाम को राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने दावा किया कि कांग्रेस उन सभी पांच राज्यों में सरकार बनाएगी जहां इस महीने चुनाव हुए हैं। राष्ट्रीय राजधानी में पार्टी मुख्यालय में मीडिया से बात करते हुए गहलोत ने कहा, "कांग्रेस सभी पांच राज्यों में सरकार बनाएगी। मुझे लगता है कि भाजपा पांचों राज्यों में से किसी में भी नहीं जीतेगी। उन्होंने कहा, राजस्थान में, एग्जिट पोल जो भी कहते हैं, और सट्टा बाजार जो भी कहता है, मीडिया जो भी कहता है और आपका सर्वेक्षण जो भी कहता है, मेरा अनुमान कहता है– जैसा कि मैंने पिछले छह महीनों में गांवों और शहरों में लोगों की टिप्पणियां सुनीं–– कांग्रेस सरकार बनाएगी।

जातिगत जनगणना पर पीएम मोदी ने दी प्रतिक्रिया

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में जाति जनगणना की मांग कर रहे कांग्रेस समेत तमाम विपक्षी दलों पर पलटवार करते हुए कहा है कि उनके लिए सबसे बड़ी जाति गरीब, युवा, महिलाएं और किसान हैं और इन चार जातियों का उत्थान ही भारत को विकसित बनाएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने गुरुवार को विकसित भारत संकल्प यात्रा के विभिन्न राज्यों के लाभार्थियों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बातचीत के दौरान उन्हें संबोधित किया। पीएम मोदी ने कहा, विकसित भारत का संकल्प– 4 अमृत स्तंभों पर टिका है। ये अमृत स्तंभ हैं – हमारी नारी शक्ति, हमारी युवा शक्ति, हमारे किसान और हमारे गरीब परिवार। मेरे लिए सबसे बड़ी जाति है– गरीब। मेरे लिए सबसे बड़ी जाति है– युवा। मेरे लिए सबसे बड़ी जाति है– महिलाएं। मेरे लिए सबसे बड़ी जाति है– किसान। इन चार जातियों का उत्थान ही भारत को विकसित बनाएगा। जब तक इन चारों जातियों को मैं सभी समस्याओं से, सभी मुश्किलों से उबार नहीं देता हूं तब तक मैं चैन से बैठने वाला नहीं हूं। बस आप मुझे आशीर्वाद दीजिए। जब ये चारों जाति सशक्त होगी तो निश्चित तौर पर देश की सभी जातियां सशक्त होगी। प्रधानमंत्री ने पिछली सरकारों के रवैये पर सवाल उठाते हुए कहा कि देश के लोगों ने वह दौर भी देखा है, जब पहले की सरकारें खुद को जनता का माई बाप समझती थी। इस कारण आजादी के अनेक दशकों बाद तक देश की बहुत बड़ी आबादी मूल सुविधाओं से वंचित रही। लोग सरकार से पूरी तरह हताश और निराश हो गए थे। उस समय सरकारें भी सिर्फ चुनाव और वोट बैंक पर ही ध्यान रखती थी। निराशा की स्थिति को उनकी सरकार ने बदला है। आज देश में जो सरकार है, वह जनता–जनार्दन को ईश्वर का रूप मानने वाली सरकार है। वह सत्ता भाव से नहीं, सेवा भाव से काम करने वाले हैं। उन्होंने कहा कि वे जो ये संकल्प यात्रा लेकर निकले हैं, इसके पीछे उनका मकसद यही है कि जिनको सरकार की योजनाओं का लाभ मिला है, उनके अनुभव जानना और जिनको नहीं मिला उन्हें 5 साल में उन योजनाओं

का लाभ देना है। इसलिए देश के हर गांव में श्मोदी के विकास की गारंटीश की गाड़ी पहुंचने वाली है। विकसित भारत संकल्प यात्रा का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, षविकसित भारत संकल्प यात्रा के 15 दिन पूरे हो रहे हैं। हमने इस गाड़ी का नाम रखा था विकास रथ, लेकिन इन 15 दिनों में लोगों ने इसका नाम बदल कर मोदी की गारंटी वाली गाड़ीश रख दिया है। उन्हें ये जानकर अच्छा लगा कि आपको मोदी पर इतना विश्वास है और वह विश्वास दिलाते हैं कि लोगों को दी हुई सभी गारंटियों को वह पूरा करेंगे। उन्होंने कहा कि जिस तरह से लोग विकसित भारत रथों का स्वागत कर रहे हैं, रथ के साथ चल रहे हैं। जिस तरह युवा और समाज के हर वर्ग के लोग विकसित भारत यात्रा से जुड़ रहे हैं। अब तक 12 हजार से ज्यादा पंचायतों तक मोदी की गारंटी वाली यह गाड़ी पहुंच चुकी है और 30 लाख के लगभग लोग इसका फायदा उठा चुके हैं। सभी लोग अपने गांव की कहानी सोशल मीडिया पर अपलोड कर रहे हैं। उन्होंने लोगों से इन कहानियों को नमो एप पर जरूर अपलोड करने का भी आग्रह किया क्योंकि वह नमो एप पर इन गतिविधियों को प्रतिदिन देखते हैं। उन्होंने कहा कि मोदी की गारंटी का मतलब काम पूरा होने की गारंटी की गारंटी है। उन्होंने कहा कि देश की 140 करोड़ जनता भारत को विकसित भारत बनाने का संकल्प ले चुकी है और विकसित भारत का संकल्प सिर्फ मोदी या किसी सरकार का नहीं है बल्कि यह सबको साथ लेकर सबके सपनों को साकार करने का संकल्प है।

लालू यादव के बयान पर प्रशांत किशोर का तंज

एजेंसी

पटना। राजद के अध्यक्ष लालू प्रसाद ने बुधवार को जहां मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की तारीफ करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का खेल खत्म होने की बात कही थे, वहीं इस बयान पर चर्चित चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने कटाक्ष किया है। जन सुराज अभियान के सूत्रधार किशोर ने कहा कि जिनके पास एक भी सांसद नहीं, वे देश का पीएम तय कर रहा है। दरअसल, राजद के अध्यक्ष लालू प्रसाद ने बुधवार को पांच राज्यों में हुए चुनाव को लेकर कहा था कि पीएम नरेंद्र मोदी का खेल खत्म है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का कोई मुकाबला नहीं है। लालू प्रसाद के इस बयान पर प्रशांत किशोर ने गुरुवार को कहा कि अगर खुद के मुंह से प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री बनना होता, तो किसी दूसरे के प्रयास करने की बात ही कहां थी। उन्होंने कहा

कि लालू यादव की पार्टी के पास लोकसभा में जीरो एमपी हैं, लेकिन वो तय करेंगे कि प्रधानमंत्री कौन बनेगा?, नीतीश कुमार के 42 विधायक हैं और मुख्यमंत्री बनने के लिए कभी लालटेन पर लटकते हैं, तो कभी कमल के फूल पर बैठते हैं, वह देश के पीएम बनेंगे।

समृद्धि के लिए देश की सीमाओं के साथ आंतरिक सुरक्षा जरूरी : मुर्मू

एजेंसी

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने आज कहा कि शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए देश की सीमाओं और उसकी आंतरिक सुरक्षा बहुत आवश्यक है। श्रीमती मुर्मु ने पुणे के खड़कवासला में गुरूवार को राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) के 145वें कोर्स की दीक्षांत परेड का निरीक्षण किया। उन्होंने सेना की 5वीं बटालियन के भवन की आधारशिला भी रखी। राष्ट्रपति ने इस मौके पर कहा , " शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए देश की सीमाओं और उसकी आंतरिक सुरक्षा बहुत आवश्यक है। हम 'वसुधैव कुटुंबकम' की परंपरा का पालन करते हैं, लेकिन हमारी सेनाएं उन बाहरी या आंतरिक ताकतों का सामना करने में पूरी तरह से सक्षम और तैयार हैं जो देश की एकता और अखंडता की भावना को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करती हैं।राष्ट्रपति ने कहा कि एनडीए नेतृत्व का एक ऐसा उद्‌गम स्थल है जिसने महान योद्धाओं को जन्म दिया है। यह अकादमी देश के सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षण संस्थानों में भी विशिष्ट स्थान रखती है और इसकी सशस्त्र बलों के लिए देश के एक मजबूत स्तंभ के रूप में मान्यता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि एनडीए से प्राप्त प्रशिक्षण और जीवन मूल्य कैडेटों को अपने जीवन में आगे बढ़ने में हमेशा सहायता प्रदान करते हैं। उन्होंने कैडेटों को भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए नई प्रौद्योगिकियों को सीखकर और उन्हें अपनाकर आगे बढ़ने की सलाह दी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि वे सशस्त्र सेवाओं के मूल्यों को आगे बढ़ाते हुए पूरे साहस और बहादुरी के साथ हर चुनौती का सामना करेंगे। राष्ट्रपति एनडीए की पासिंग आउट परेड के मार्चिंग दस्ते में महिला कैडेटों की पहली बार भागीदारी देखकर बहुत प्रसन्न हुई। उन्होंने कहा कि आज का यह दिन सच्चे अर्थों में ऐतिहासिक है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सभी महिला कैडेट भविष्य में देश और एनडीए को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगी।

नेपाल में पंजीकृत हुआ पहला समलैंगिक विवाह

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के पश्चिमी लमजंग जिले में देश के पहले समलैंगिक विवाह का पंजीकरण किया गया है और इसे देश में लेस्बियन–गे–बाईसेक्शुअल–ट्रांसजेंडर (एलजीबीटी) समुदाय के अधिकारों की विजय के रूप में देखा जा रहा है। पश्चिमी लमजंग जिले में औपचारिक रूप से माया गुरुंग (35) और सुरेंद्र पाण्डेय (27) के विवाह को बुधवार को पंजीकृत किया गया। देश के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा समलैंगिक जोड़ों के विवाह के पंजीकरण के संबंध में पांच महीने पहले दिये गये अंतरिम आदेश के बाद यह पंजीकरण किया गया है। एशिया में अभी तक ताईवान ही एकमात्र देश था जहां समलैंगिक विवाह को मंजूरी मिली हुई है। विवाह के पंजीकरण के बाद श्रीमती गुरुंग ने बीबीसी से कहा " आज का दिन केवल हमारे लिए ही नहीं बल्कि सभी लैंगिक अल्पसंख्यक समुदायों के लिए बहुत बड़ा दिन है। अपने अधिकारों की यह लड़ाई बिल्कुल भी आसान नहीं रही है लेकिन आखिरकार हमें जीत हासिल हुई ।अब आगे आने वाली पीढ़ियों के लिए राह आसान होगी। हमारे विवाह के पंजीकरण ने हमारे लिए बहुत सी

सुविधाओं के दरवाजे खोल दिये हैं।" दंपती ने कहा कि वे एक संयुक्त खाता खोलना चाहते हैं और उनके द्वारा खरीदी गयी जमीन का सम्मिलित स्वामित्व भी लेना चाहते हैं लेकिन जैसे ही उनकी आर्थिक स्थिति कुछ और मजबूत होती है तो उनका सबसे बड़ा सपना एक बच्चे को गोद लेना है। यह जोड़ा लगभग एक दशक से साथ है । इन दोनों ने एक मंदिर में 2017 में शादी कर ली थी और इस साल उनके साथ को कानूनी मंजूरी भी मिल गयी। श्रीमती गुरुंग एक ट्रांसजेंडर महिला हैं जिन्होंने आधिकारिक तौर पर अपना लिंग परिवर्तन नहीं किया है। श्री पाण्डेय का जन्म पुरूष के रूप में हुआ। सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के बावजूद इस मामले में नेपाल की राजधानी काठमांडू के जिला न्यायालय ने इन दोनों के विवाह के पंजीकरण करने की इजाजत नहीं दी थी जबकि सर्वोच्च न्यायालय ने अपने आदेश में सरकार को ऐसे मामलों में कानून के तहत जरूरी बदलाव किये जाने के दिशा निर्देश दिये थेजिला अदालत ने तर्क दिया था कि निचली अदालतें आदेश का पालन करने के लिए बाध्य नहीं थीं क्योंकि यह केवल सरकार पर निर्देशित था लेकिन बुधवार को, डोरडी ग्रामीण नगर पालिका के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी हेम राज काफले ने रॉयटर्स को बताया " हमने सुप्रीम कोर्ट के आदेश और संबंधित सरकारी अधिकारियों के निर्देशों पर विचार करते हुए जोड़े को विवाह पंजीकरण प्रमाण पत्र जारी किया है। प्रमुख एलजीबीटी अधिकार कार्यकर्ता सुनील बाबू पंत ने इस 'ऐतिहासिक' क्षण को यौन और लैंगिक अल्पसंख्यकों की जीत बताया। उन्होंने कहा, " अब हम अपनी शादी को आम जोड़ों की तरह पंजीकृत करा सकते हैं लेकिन अन्य अधिकार पाने के लिए हमें अभी और भी बहुत कुछ करना होगा।"

केंद्र की सत्ता में आने पर पूरे देश में लागू करेंगे स्वास्थ्य बीमा योजना, वायनाड में बोले राहुल गांधी

एजेंसी

वायनाड। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने राजस्थान सरकार द्वारा गरीबों के लिए शुरू किए गए स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्रम की तारीफ करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि यदि 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद उनकी पार्टी केंद्र की सत्ता में आई तो पूरे देश में ऐसी योजना लागू की जाएगी। गांधी ने अपने संसदीय क्षेत्र वायनाड के सुल्तान बथेरी में स्थित एक निजी अस्पताल के नये खंड के उद्‌घाटन के बाद उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने इस मौके पर राष्ट्रीय स्तर पर स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र के पुनरू मूल्यांकन की जरूरत रेखांकित की। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि केंद्र सरकार को, गरीबों को बुनियादी गारंटी के तौर पर किफायती स्वास्थ्य सुविधाएं देने को

प्राथमिकता देनी चाहिए। राहुल गांधी ने कहा, ''मुझे लगता है कि हमें स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र के बारे में सोचने के अपने तरीके पर राष्ट्रीय स्तर पर पुनर्विचार करना होगा और मेरा मानना है कि देश की सरकार को जिस एक गारंटी के बारे में सोचना चाहिए, वह वास्तव में कम मूल्य पर, विशेष रूप से गरीबों को स्वास्थ्य सुविधाएं देने के बारे में हो। कांग्रेस ने राजस्थान में अपनी चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना की तारीफ करते हुए इसे पूरे देश के लिए 'मॉडल बताया है।पार्टी का कहना है कि इसके तहत मेडिकल कवरेज 50 लाख रुपये तक बढ़ाने से गरीबों और मध्यम वर्ग दोनों को लाभ मिलेगा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा, चिकित्सा त्रासदियों के सबसे बड़े शिकार गरीब लोग हैं। क्योंकि अगर आपके पास पैसा है, तो आप हमेशा एक अच्छे अस्पताल में इलाज करवा सकते हैं। यदि आप गरीब हैं और आपको कोई बीमारी हो जाती है... तो आपका जीवन समाप्त हो जाता है। इसलिए मुझे यह देखकर खुशी हुई कि यह अस्पताल दान के आधार पर गरीब लोगों का इलाज करता है। बहुत सारे स्पताल पूरी तरह से कॉर्पोरेट मशीनों की तरह चलाए जाते हैं। राहुल गांधी ने कहा कि, मुझे लगता है कि यह हमारे देश में एक अच्छी प्रवृत्ति नहीं है... राष्ट्रीय स्तर पर, हमें स्वास्थ्य देखभाल पर पुनर्विचार करने की आवश्यकता है।

केसीआर ने चिंतामडका में मतदान किया

एजेंसी

हैदराबाद। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) सुप्रीमो एवं तेलंगाना के मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव ने गुरुवार को चिंतामडका गांव में मतदान किया। श्री राव और उनकी पत्नी शोभम्मा ने सिद्दीपेट ग्रामीण मंडल के चिंतामदका गांव में कल्वाकुंटला वेंकटराघव राव जिला परिषद हाई स्कूल मतदान केंद्र में अपने वोट डाले। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष एवं श्री राव के पुत्र के टी रामा राव ने यहां नंदी नगर में जीएचएमसी सामुदायिक हॉल में अपना वोट डाला। वहीं एआईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने राजेंद्रनगर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत सेंट फैज स्कूल में मतदान किया। तेलंगाना विधानसभा चुनाव के लिए हाई–वोल्टेज चुनाव प्रचार के बाद 119 विधानसभा सीटों के लिए आज सुबह 07.00 बजे मतदान शुरू हुआ, जहां 3.26 करोड़ मतदाता विभिन्न दलों से चुनाव लड़ रहे 2,290 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला करेंगे। श्री राव गजवेल और कामारेड्डी दो विधानसभा क्षेत्रों से चुनाव

लड़ रहे हैं। उन्होंने 2014 और 2018 में मेडक जिले के गजवेल निर्वाचन क्षेत्र से महत्वपूर्ण अंतर से जीत हासिल की। इस बार गजबेल सीट पर उनका मुकाबला भाजपा के एटाला राजेंदर और कांग्रेस के टी नरसा रेड्डी से है। वहीं कामारेड्डी निर्वाचन क्षेत्र से वह पहली दफा चुनाव लड़ रहे हैं और यहां सामना तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष रेवंत रेड्डी से होगा। तेलंगाना में सत्तारूढ़ बीआरएस सभी 119 विधानसभा क्षेत्रों से चुनाव लड़ रही है, जबकि कांग्रेस ने 118 निर्वाचन क्षेत्रों में अपने उम्मीदवार उतारे हैं। बीआरएस के मित्र सहयोगी ऑल इंडिया मजलिस–ए–इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) ने नौ विधानसभा क्षेत्रों में अपने उम्मीदवार खड़े किये हैं। भाजपा 111 निर्वाचन क्षेत्रों से चुनाव लड़ रही है और अभिनेता से नेता बने पवन कल्याण की जनसेना के लिए आठ सीटें छोड़ी है।

आप कल से मैं भी केजरीवाल हस्ताक्षर अभियान करेगी शुरू

एजेंसी

नयी दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) ने गुरुवार को कहा कि वह जनता की राय जानने के लिए एक हस्ताक्षर

अभियान शुरू कर रही है कि क्या गिरफ्तारी की स्थिति में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जेल से सरकार चलानी चाहिए या इस्तीफा दे देना चाहिए। एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान आप मंत्री गोपाल राय और राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने कहा कि अरविंद केजरीवाल को इस्तीफा देना चाहिए या सलाखों के पीछे से शासन जारी रखना चाहिए, इसका फैसला दिल्ली के लोगों को करना है। राय ने कहा, हम दिल्ली के सभी 2600 मतदान केंद्रों पर 1 से 20 दिसंबर तक श्मैं भी केजरीवालश हस्ताक्षर अभियान शुरू कर रहे हैं। इसमें सभी मंत्री, विधायक, सदस्य और कार्यकर्ता भाग लेंगे। घरों का दौरा करने, पर्चे वितरित करने व लोगों की राय जानने के लिए टीमों का गठन किया गया है।" राघव चड्ढा ने इस बात पर जोर दिया कि अरविंद केजरीवाल भाजपा के लिए चुनौती हैं, उन्होंने कहा, भाजपा पार्टी को कमजोर करने और केजरीवाल को कमजोर करने के लिए आप नेताओं को झूठे मामलों में फंसाने का प्रयास कर रही है। अगर बीजेपी को विश्वास है कि गिरफ्तारी के बाद सब कुछ खत्म हो जाएगा, तो हम सलाखों के पीछे से शासन करने के लिए तैयार हैं। सभी सदस्यों ने जेल से सरकार चलाने की अपील की है। इस महीने की शुरुआत में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित शराब घोटाला मामले में मुख्यमंत्री को नोटिस जारी किया था। हालांकि, केजरीवाल नेसमन को अवैध और राजनीति से प्रेरित'' बताते हुए खारिज कर दिया

जारांगे-पाटिल ने जातिगत अशांति फैलाने के लिए भुजबल को पनौती कहा

एजेंसी

जालना। ताजा हमले में, शिवबा संगठन के नेता मनोज जारंगे–पाटिल ने खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री छगन भुजबल को पनौती (अपशकुन) करार दिया और उन पर राज्य में जातिवादी अशांति फैलाने का आरोप लगाया। जारांगे–पाटिल लगभग चार महीनों से मराठा आरक्षण के लिए अभियान चला रहे हैं, जबकि भुजबल ने ओबीसी श्रेणी से मराठा आरक्षण को अलग करने की उनकी मांग का पुरजोर विरोध किया है। दोनों समूहों के सीधे टकराव की स्थिति में भुजबल गुरुवार को नासिक में बारिश से प्रभावित कुछ इलाकों के सर्वेक्षण पर गए, जहां उन्हें किसानों के कड़े विरोध का सामना करना पड़ा। इसका जवाब देते हुए जारांगे–पाटिल ने कहा कि भुजबल दुर्भाग्यशाली हैं और उनकी वजह से राज्य के किसान साढ़ेसाती (एक ज्योतिषीय शब्द जो साढ़े सात साल के लिए दुर्भाग्य का संकेत देता है) से पीड़ित होंगे। जारांगे

पाटिलने आरोप लगाया, भुजबल एक श्पनौती हैं और खेती करने वालों के लिए अपशकुन लाएंगे... वह कानून तोड़ते हैं, महान आदर्शों की जातियों का उल्लेख करते हैं, वह आरक्षण के विरोधी हैं और संवैधानिक पद पर रहते हुए जातिगत अशांति फैला रहे हैं। उन्होंने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार) से अलग हुए समूह को सलाह दी कि वह प्रभावित कृषकों के सर्वेक्षण दौरे को आगे न बढ़ाएं और कहा, षसरकारी प्रशासन को प्रभावित किसानों के लिए आवश्यक कार्य करने दें। जारांगे–पाटिल ने कहा,"क्या वह (भुजबल) वहां जाते हैं और पंचनामा तैयार करते हैं? फिर वह खेतों को रौंदने के लिए वहां क्यों जा रहा है... किसानों को तब बेहतर लगता है जब वह उन्हें अकेला छोड़ देते हैं। नासिक के येओला तालुका के कई गांवों के अपने मौजूदा दौरे में, भुजबल को गुरुवार को स्थानीय मराठा युवाओं और बुजुर्गों के जोरदार विरोध और प्रदर्शन का सामना करना पड़ा, जिन्होंने उनके वाहन को रोकने का प्रयास किया, उनके खिलाफ नारे लगाए, उन्हें वापस जाने के लिए कहा, और उन्होंने कहा कि उन्हें उन्हें उनके भाग्य पर छोड़ देना चाहिए।

सम्पादकीय

इन चुनावों से खुलेंगी नयी राहें

पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों की श्रृंखला की अंतिम कड़ी के रूप में दक्षिणी राज्य तेलंगाना में गुरुवार को मतदान हो जाने के बाद अब सीधे अगले वर्ष के मध्य में लोकसभा के चुनाव होंगे। जैसा सियासी माहौल प्रचार अभियानों के दौरान नजर आया और विश्लेषकों को महसूस हुआ है उससे यह राय सहज ही बन रही है कि इन राज्यों के मतदान के जो परिणाम 3 दिसम्बर को आएंगे उनसे जनता के सम्मुख नयी राहें खुलने जा रही हैं जो मौजूदा परिस्थितियों से देश को निकालने में सक्षम होंगी। वैसे तो एक संघीय ढांचे के अंतर्गत हर स्तर के चुनावों का अपना महत्व होता है चाहे वह स्थानीय निकायों का ही क्यों न हो, लेकिन 2019 के लोकसभा चुनावों के बाद से जिस प्रकार भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने देश में अराजकता का माहौल पैदा किया है उससे यह बात तो साफ हो गयी है कि नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री रहते देश में लोकतंत्र सुरक्षित नहीं रह सकता। वैसे तो 2014 में पहली बार पीएम बनने के बाद से ही मोदी ने सारी ताकत अपने हाथों में लेकर जनता पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया था, लेकिन उनका और भी अलोकतांत्रिक व्यवहार दूसरी बार अधिक विशाल बहुमत प्राप्त करने के बाद और भी बड़े स्वरूप में देखने को मिला। जितना खुलकर उन्होंने विपक्षी सरकारों को अस्थिर या परेशान किया, वैसा कभी भी भारत में देखने को नहीं मिला था। उनका 'कांग्रेस मुक्त भारत' का नारा कब 'विपक्ष मुक्त भारत' में बदल गया, पता भी नहीं चला। इस अलोकतांत्रिक नारे को उन्होंने ऐसा लोकप्रिय बना दिया कि विधायकों की खरीद–फरोख्त कर या डरा–धमकाकर निर्वाचित राज्य सरकारों को गिराने की काली करतूतों को चाणक्यगिरी या ऑपरेशन लोटस का नाम देकर महिमामंडित करने लगे। यह ऐसा भी समय है जब मोदी और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के इशारे पर केन्द्रीय जांच एजेंसियों का खुला उपयोग विपक्षी नेताओं को प्रताड़ित करने के लिये किया जा रहा है। इन एजेंसियों के लिये सम्भवतरू स्पष्ट निर्देश हैं कि उनकी कार्रवाइयां केवल विपक्षी दलों के नेताओं के खिलाफ ही होनी हैं। भाजपा व उनके समर्थक दलों व लोगों की ओर से आंखें मूंद ली जाती हैं। जिन राज्यों में चुनाव हो रहे हैं उनमें से एक छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के खिलाफ महादेव एप की ओर से 508 करोड़ रुपये देने का आरोप लगाया गया तो वहीं मध्यप्रदेश के कद्दावर नेता व केन्द्रीय मंत्री के पुत्र, जो दिल्ली से आकर विधायकी का चुनाव लड़ रहे हैं, वीडियो पर 100 और 500 करोड़ रुपयों की डील करते दिखते हैं। उनके घर पर प्रवर्तन निदेशालय, आयकर या सीबीआई के अधिकारी नहीं पहुंचते। केन्द्रीय जांच एजेंसियों की भूमिका एक तरह से भाजपा को मदद देने मात्र की रह गई है। इन पांच राज्यों के चुनावों में, खासकर हिन्दी पट्टी के राजस्थान, मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़ में भाजपा द्वारा साम्प्रदायिकता का कार्ड खेलने की भी कोशिश हुई जो नाकाम रही। उसके मुकाबले जनहित के मुद्दे हावी रहे। यहां तक कि विकास की चर्चा से दूर भागने वाली भाजपा को इन तीनों प्रदेशों में चुनाव जीतने के लिये वादों और गारंटियों की बात करनी पड़ी। उसे शिक्षा, रोजगार, खेती–किसानी, स्वास्थ्य आदि को भी अपने घोषणापत्रों में शामिल करना पड़ा जो उसकी परम्परा के अनुकूल नहीं है– खासकर हाल के वर्षों में। उम्मीद है कि अगर इन राज्यों में भाजपा की हार होती है, जिसके अनुमान कई विश्लेषक, सर्वेक्षण आदि कर रहे हैं, तो भाजपा को 2024 के लोकसभा चुनावों में नये सिरे से मुद्दों की तलाश करनी होगी। हालांकि अयोध्या के नवनिर्मित राममंदिर को बेशक मुद्दा बनाया जायेगा जिसका उद्घाटन मोदी के हाथों 22 जनवरी को होने जा रहा है। फिर भी वर्तमान राजनीतिक माहौल में लगता है कि जनता इसे विशेष तवज्जो नहीं देगी तथा इन्हीं चुनावों के नतीजे राममंदिर मुद्दे को पहले से ही बेअसर कर देंगे।इसी सम्भावित पराजय के कारण इन राज्यों के पूरे प्रचार अभियान के दौरान बौखलाई भाजपा एवं मोदी कांग्रेस, विशेषकर उसके प्रमुख नेता राहुल गांधी को अपने खास निशाने पर लेते रहे। उनके लिये अपशब्दों के जरिये अपमान होता रहा, लेकिन पिछले साल की 7 सितम्बर से इस वर्ष 30 जनवरी तक राहुल की श्भारत जोड़ो यात्राश ने जो परिदृश्य बदला है, उसके कारण लोगों का उनसे बड़े पैमाने पर जुड़ाव हुआ। उनका लोगों से नये सिरे से परिचय हुआ और इसी दौरान मोदी का असली रूप भी सामने आने लगा। उनकी हर मोर्चे पर नाकामी, कारोबारी गौतम अदानी व मुकेश अंबानी की उनके साथ मित्रता आदि ऐसे अनेक मुद्दे सामने आये जिसने मोदी की मेहनत व करोड़ों रुपये खर्च कर बनाई गई छवि को ध्वस्त कर रख दिया। इन चुनावों ने राहुल व कांग्रेस को बहुत सशक्त एवं एकजुट किया है। कुछ राज्यों में उनके नेताओं के बीच जो मतभेद थे वे भी जीत की प्रत्याशा में समाप्त हो गये। इसके विपरीत यह भी आशंका है कि जिस तरह से भाजपा की बड़ी पराजय के अनुमान लगाये जा रहे हैं, उससे खुद मोदी को अगले प्रधानमंत्री पद की दावेदारी प्रस्तुत करने में दिक्कत आ सकती है क्योंकि उनके साथ या उनके चेहरे पर चुनाव लड़ने में उनकी पार्टी के ही नेता व सांसद परहेज कर सकते हैं। कांग्रेस और उसके नेतृत्व में बना संयुक्त प्रतिपक्षी इंडिया गठबंधन दोनों उत्साहित हैं। इंडिया व भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के बीच आमने–सामने का पहला मुकाबला भी अगले लोकसभा चुनावों में होगा।

तेलंगाना चुनाव प्रचार के आखिरी चरण में तेजी से आगे बढ़ी कांग्रेस

कल्याणी शंकर

जैसे–जैसे तेलंगाना चुनाव अपने अंतिम चरण में पहुंचा, भारत का सबसे युवा राज्य त्रिकोणीय चुनावी मुकाबले के लिए तैयार है। सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति (बी.आर.एस.), कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जीत के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। 2014 में अपनी स्थापना के बाद से बी.आर.एस. प्रमुख के. चंद्रशेखर राव शीर्ष पर रहे हैं। वह हैट्रिक लगाने को बेताब हैं। हालांकि, सत्ता विरोधी लहर उनके लिए एक बड़ी चुनौती है। अलग तेलंगाना आंदोलन का सफलतापूर्वक नेतृत्व करने के बावजूद, उन्हें विभिन्न कारणों से लोकप्रियता में गिरावट का सामना करना पड़ा है। 2018 में, आश्चर्यजनक रूप से, चुनावों को समय से पहले रखते हुए, टी. आर.एस. 119 सदस्यीय विधानसभा में 88 सीटें जीतीं। कांग्रेस ने 19 और ए.आई.एम.आई.एम. ने 7 सीटें जीती थीं। वर्तमान में बी.आर.एस. अन्य दलों को तोड़कर कुल 99 सीटें बना चुकी है, जबकि कांग्रेस के पास 8 विधायक हैं। ए.आई.एम. आई.एम. और भाजपा के पास क्रमशरू 7 और 6 विधायक हैं। केसीआर ने अपने बेटे और बेटी सहित अपने परिवार के सदस्यों को प्रमुख पदों पर स्थापित किया है। उनके बेटे, केटी रामा राव, उपमुख्यमंत्री हैं, उनकी बेटी, कविता, एक सांसद हैं, और उनका भतीजा एक मंत्री है। राव के पास अपने और अपने परिवार के लिए बड़ी योजनाएं हैं। जीतने के बाद, वह अपने बेटे को राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में स्थापित करने की योजना बना रहे हैं। राज्य स्तर के राजनेता होने से संतुष्ट नहीं, उन्होंने राष्ट्रीय राजनीति पर अपनी नजरें जमा ली हैं। पहले कदम के रूप में, केसीआर ने पार्टी का नाम तेलंगाना राष्ट्र समिति से बदलकर भारत राष्ट्र समिति कर दिया, जो अधिक राष्ट्रीय दृष्टिकोण की ओर बदलाव का संकेत है। राव ने पिछले दशक में तीसरा मोर्चा, संघीय मोर्चा और जिंजर ग्रुप बनाने का प्रयास किया था, लेकिन कोई उन्हें गंभीरता से लेने वाला नहीं था। नवगठित विपक्षी इंडिया गठबंधन ने भाजपा को चुनौती देने के अपने उद्देश्य के बावजूद, अभी तक केसीआर को अपने साथ शामिल होने के लिए आमंत्रित नहीं किया है। उनका आरोप है कि केसीआर भाजपा की बी टीम है।यह चुनाव तीन प्राथमिक खिलाड़ियों के लिए एक सफल क्षण है, क्योंकि भाजपा तेलंगाना को दक्षिणी राजनीति में लाभ पाने के एक अवसर के रूप में देखता है। नतीजे निस्संदेह अगले साल के लोकसभा चुनाव की दिशा तय करेंगे। तेलुगु देशम पार्टी (टी. डी.पी.) एक समय एक महत्वपूर्ण राजनीतिक खिलाड़ी थी, लेकिन पिछले दशक में कमजोर हो गई है। इसके नेता चंद्रबाबू नायडू भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना कर रहे हैं और उन्होंने घोषणा की है कि पार्टी आगामी चुनावों में भाग नहीं लेगी। इस बीच, कांग्रेस पार्टी ने अपनी स्थिति फिर से हासिल कर ली है और बी.आर.एस. के लिए एक गंभीर चुनौती खड़ी कर दी है। राज्य में मुख्य विपक्षी दल बनने का भाजपा का लक्ष्य दूर की कौड़ी है। नगर निगम चुनाव में सुधार के बावजूद अब वह तीसरे स्थान पर खिसक गई है। कर्नाटक में दो बार जीतने के अलावा, भाजपा का एन.आर. कांग्रेस के साथ गठबंधन को छोड़कर, दक्षिण भारत में कोई महत्वपूर्ण उपस्थिति नहीं है। भाजपा उत्तर में किसी भी संभावित नुकसान को संतुलित करने के लिए दक्षिण में अधिक सीटें हासिल करने का इरादा रखती है, जहां उनका विस्तार पहले से ही अपने चरम पर है। कांग्रेस को 2014 में दबाव में आकर आंध्र प्रदेश को बांटने का अफसोस है। हैरानी की बात यह है कि यह कदम उल्टा पड़ गया क्योंकि लोगों ने कांग्रेस को खारिज कर दिया और तेलंगाना में टी.आर.एस. तथा आंध्र प्रदेश में वाई.एस.आर.सी.पी. को अपना लिया।केसीआर ने दो निर्वाचन क्षेत्रों, गजवेल और कामारेड्डी से अपनी उम्मीदवारी की घोषणा की है। गजवेल में उनका मुकाबला बी.आर.एस. के एक बागी से है, जबकि कामारेड्डी में उनका मुकाबला

कांग्रेस नेता रेवंत रेड्डी से होगा। उन्होंने जोखिम लेने के बावजूद पार्टी में किसी भी विद्रोह से बचने के लिए सभी मंत्रियों और वरिष्ठ विधायकों को बरकरार रखा है। हालिया जनमत सर्वेक्षणों के अनुसार, कांग्रेस पार्टी प्रतियोगिता में सबसे आगे है, उसके बाद बी.आर.एस. और भाजपा। बी.आर.एस. की पिछली बार की तुलना में कम सीटें जीतने की उम्मीद है, जबकि कांग्रेस को ज्यादा सीटें मिलने का अनुमान है। ए.आई.एम. आई.एम., जिसकी सीमित उपस्थिति है, वही सीटें बरकरार रख सकती है। कुछ स्वतंत्र उम्मीदवार एक या दो सीटें जीत सकते हैं। भाजपा के चौथे स्थान पर रहने की उम्मीद है। केसीआर का मानना है कि उनके काम से उन्हें वोट मिलेंगे। उन्होंने सिंचाई और कृषि के साथ–साथ सूचना प्रौद्योगिकी पर भी ध्यान केंद्रित किया है। गूगल जैसी बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने 2014 से पहले भी हैदराबाद में निवेश किया है। तेलंगाना की जी.डी.पी. दोगुने से भी ज्यादा हो गया है। लेकिन नकदी से समृद्ध राज्य पर भारी कर्ज का बोझ है। भाजपा, कांग्रेस के अलावा तेलंगाना पर शासन करने वाली किसी अन्य पार्टी के साथ सामंजस्य स्थापित करेगी। खबरों के मुताबिक भाजपा एक गुप्त सौदे में केसीआर की मदद कर रही है। बदले में भाजपा केसीआर की बेटी पर नरम रुख अपनायेगी, जिसे एजेंसियां परेशान करती थीं। रेवंत रेड्डी के नेतृत्व की बदौलत कांग्रेस तेजी से बढ़त हासिल कर रही है। सोनिया गांधी ने मतदाताओं का दिल जीतने के लिए छह लोकलुभावन योजनाओं की घोषणा की, जिसमें महिलाओं के लिए 2500 रुपये और किसानों के लिए 15000 रुपये की पेशकश की गई। उन्होंने भीड़ को यह भी याद दिलाया कि कांग्रेस ने 2014 में तेलंगाना बनाया था। केसीआर की सफलता उनकी राजनीतिक रणनीति पर निर्भर है। इसके विपरीत, उनके विरोधी उनके परिवार की आलोचना करते हैं और उन पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हैं। केसीआर 2014 में तेलंगाना मुद्दे पर विजयी हुए और 2018 के चुनाव में किसानों का समर्थन किया। हालांकि, वर्तमान में, उन्हें सत्ता विरोधी लहर, पुनर्जीवित कांग्रेस और केंद्र का सामना करना पड़ रहा है वह अपनी बेटी की प्रतिष्ठा को धूमिल करने का प्रयास कर रहा है। कांग्रेस को गेम ऑफ थोर्न्स में सत्ता हासिल करने के लिए इस अवसर का लाभ उठाना चाहिए। बदलाव का मूड है। जब लोग परिवर्तन लाने के लिए दृढ़ संकल्पित होते हैं, तो वे किसी भी चुनौती या बाधा के बावजूद ऐसा करेंगे।

बराबरी का हक और बराबरी का दिखावा

सर्वमित्रा सुरजन

अपने उपन्यास एनिमल फॉर्म में जॉर्ज ऑरवेल ने लिखा है– ऑल एनिमल्स आर इक्वल, बट सम एनिमल्स आर मोर इक्वल देन अदर्स। यानी सभी जानवर समान हैं, लेकिन कुछ जानवर दूसरों की तुलना में अधिक समान हैं। बराबरी के दिखावे पर यह अनुपम उदाहरण सोशल मीडिया साइट एक्स की एक पोस्ट को देखकर याद आया। इसमें एक नोटिस की तस्वीर शेयर की गई थी। नोटिस में अंग्रेजी में लिखा था– हाउस मेड्स, डिलीवरी ब्वॉयज, एंड वर्कर्स शुड नॉट यूज पैसेंजर्स लिफ्ट. इन केस दे आर कॉट, दे विल बी फाइन्ड रू. 1000. ये किस शहर और किस सोसाइटी में लगा हुआ नोटिस है, ये तो पता नहीं, और ये भी कहना कठिन है कि जिन लोगों के लिए यह गैरकानूनी नोटिस चिपकाया गया है, उनमें से कितनों को इसकी भाषा समझ आई होगी। यह नोटिस अंग्रेजी में है, और देश के कामगार तबके के अधिकतर लोग प्रांतीय भाषाओं और बोलियों को ही जानते हैं। इस नोटिस को जिस किसी ने भी तैयार किया है, उसने किस आधार पर पकड़े जाने पर एक हजार रुपए के जुर्माने की बात लिखी है, यह भी समझ से परे है। क्योंकि लिफ्ट में जाना कोई कानूनन अपराध नहीं है। पकड़े जाने जैसी शब्दावली ऐसे लग रही है, मानो चोरी या कत्ल करते हुए कोई पकड़ा गया है। वैसे इस चेतावनीनुमा नोटिस में जो कुछ भी लिखा है, वो नए भारत का कड़वा सच है। करीब 12–15 पहले खबर पढ़ी थी कि बहुराष्ट्रीय कंपनियों का गढ़ बन चुके गुड़गांव की एक बहुमंजिला इमारत में घरेलू सहायकों और कुत्तों के लिए अलग लिफ्ट की व्यवस्था की गई है और वहां रहने वाले बाशिंदों के लिए अलग लिफ्ट है। तब देश में यूपीए सरकार थी और मीडिया उद्योगपतियों का पूरी तरह से गुलाम नहीं बना था, इसलिए ऐसी खबरें अखबारों में छप जाया करती थीं। हालांकि समाज में भेदभाव तब भी मौजूद था, अब भी उतनी ही सघनता से विद्यमान है। फर्क इतना ही है कि अब जैसे ही मौका मिलता है, भेदभाव तरल होकर समाज में खुल कर बहने भी लगता है। एक दशक पहले तक समाज में इंसानियत के लिहाज की मात्रा थोड़ी अधिक थी, आंखों में शर्म थोड़ी बहुत दिख जाती थी। अब वह सब बड़ी तेजी से विलुप्त होता जा रहा है। बिल्कुल आयातित चीतों की तरह। बहरहाल, इस नोटिस को देखकर ज्यादा आश्चर्य नहीं हुआ, क्योंकि नगरीय जीवन में अब यह आम चलन हो गया है। लगभग हर बहुमंजिला इमारत में कामगारों के लिए अलग लिफ्ट की व्यवस्था है, जिसे सर्विस लिफ्ट कहा जाता है। कोरोना काल में अलग लिफ्ट के नियम का और कड़ाई से पालन होने लगा, क्योंकि संपन्न तबके के लोग यही मानकर चलते हैं कि सारी गंदगी और बीमारियां झुग्गियों में रहने वाले लोग ही उन तक पहुंचाते हैं। यह तथ्य पता नहीं कितने लोगों को याद है कि देश में कोरोना का प्रवेश हवाई यात्रा करने वालों की बदौलत हुआ है। यह भी सोचने की बात है कि आखिर किन कारणों से झुग्गी–झोपड़ियों या निचली बस्तियों में गंदगी और बीमारी फैलती है। क्यों वहां के लोग अच्छी हवा और पानी से वंचित रहते हैं। कौन उनके हक को मारकर अपनी जेबें और कोठियां भर रहा है। चंद लोगों के विलासितापूर्ण जीवन का भुगतान लाखों लोगों को क्यों करना पड़ रहा है। ऐसे सवाल समाज में अक्सर असुविधा पैदा कर देते हैं, इनके जवाब ढूंढने में खुद का सामना आईने से हो जाता है। इसलिए बेहतर यही होता है कि ऐसे मामलों की तह में जाएं ही नहीं और जैसा चल रहा है, वैसा ही चलने दें। जब देश गुलाम था, तब लोगों को खरीदने–बेचने का चलन था, दास प्रथा चलती थी, निचली जाति या हैसियत के लोगों को धन और सत्ता की शक्ति से संपन्न लोगों की चाकरी करनी पड़ती थी। देश आजाद हो गया, तो संविधान निर्माताओं ने भारत की इस सामाजिक सच्चाई को समझते हुए नियम–कानून बनाए। सबके लिए बराबरी का अधिकार निश्चित किया। हालांकि वे भी जानते थे कि भारत अपनी भेदभाव वाली मानसिकता से इतनी जल्दी नहीं उबर पाएगा, फिर भी उन्होंने उम्मीद नहीं छोड़ी और अपनी ओर से नए भारत को जो बेहतरीन तोहफा दे सकते थे, वो संविधान के रूप में दिया। अफसोस ये है कि इस संविधान का पूरा लाभ उन नागरिकों को ही नहीं मिल रहा है, जिन्हें खास तौर पर ध्यान में रखते हुए बराबरी के अधिकार को शामिल किया गया है। चाकरी, गुलामी, दासता, जो कह लें, शक्तिशाली और प्रभावशाली लोगों की बदौलत अब भी समाज में विद्यमान है। तीन दिन पहले ही देश की सरकार ने संविधान दिवस मनाया है। मोदी सरकार के आने के बाद से 26 जनवरी के साथ–साथ 26 नवंबर का महत्व भी बढ़ा दिया गया है।इस बार तो प्रधानमंत्री मोदी ने इस दिन मन की बात भी की, क्योंकि महीने का आखिरी रविवार था। खैर, 26 नवंबर के ही दिन हमारे रिहायशी इलाके के व्हाट्सऐप ग्रुप पर एक चर्चा छिड़ी, जिसमें इस बात पर कुछ लोगों ने आपत्ति जताई कि सोसाइटी परिसर के भीतर मौजूद ब्यूटी पार्लर में घर में काम करने वाली मेड्स यानी सहायिकाओं को क्यों प्रवेश दिया जा रहा है। बाकायदा सवाल उठाया गया कि फेशियल, मेनिक्योर, पेडिक्योर या बाल कटवाने के लिए ये सहायिकाएं उस पार्लर में कैसे जा सकती हैं, और इनके पास इतने पैसे कहां से आते हैं कि ये पार्लर का खर्च उठा सकें। कुछ लोगों ने यह मांग भी उठाई कि पार्लर के मालिक के खिलाफ शिकायत कर इसे बंद करवाना चाहिए। इस सवाल को देखकर मन भीतर तक वितृष्णा से भर उठा कि आखिर सभ्य समाज में रहने वाला इंसान इतनी गिरी हुई सोच कैसे ला सकता है और इतना दुस्साहस कैसे जुटा सकता है कि ऐसे सवाल उठाए। हालांकि ये देखकर संतोष हुआ कि कुछ लोगों ने फौरन ऐसे सवाल का प्रतिवाद किया और पूछा कि हम इन मेड्स से अपना घर साफ करवा सकते हैं, इनका बनाया भोजन ग्रहण कर सकते हैं, अपने बच्चों को इनके भरोसे छोड़ सकते हैं, लेकिन अगर ये अपने सौंदर्य पर अपने पैसे खर्च करना चाहें और संपन्न घरों की महिलाओं की तरह पार्लर में जाएं, तो किसी को तकलीफ क्यों होनी चाहिए। कामगारों के लिए अलग लिफ्ट से होते हुए बात पार्लर जाने पर आपत्ति तक पहुंच गई, लेकिन मूल सवाल वहीं बना हुआ है कि आखिर धर्म, जाति, नस्ल और आर्थिक स्थिति का यह भेदभाव किस तरह खत्म होगा। संविधान ने केवल रास्ता दिखाया है, उस पर चलने की इच्छाशक्ति समाज को ही दिखानी होगी। फिल्म दीवार में अमिताभ बच्चन का एक डायलॉग काफी चर्चित हुआ था, जिसमें वे एक बिल्डिंग को खरीदते हैं और कहते हैं कि आपने इसके 10 लाख रूपए और मांगे होते तो भी मैं दे देता। आज से बीस बरस पहले जब ये बिल्डिंग बन रही थी, तो मेरी मां ने इसमें ईंटें उठाई थीं। आज मैं ये बिल्डिंग अपनी मां को तोहफे में देने जा रहा हूं। अब जिंदगी तो कोई फिल्म नहीं है, जिसमें इस तरह के संवाद कहने–सुनने मिलें। ऊंची इमारतों से लेकर, चौड़ी सड़कों और उत्तरकाशी के सिलक्यारा में बन रही सुरंग तक, सबमें मजदूरों का खून–पसीना लगा होता है। एक बार निर्माण हो जाने के बाद इन पर पूंजीपतियों का कब्जा हो जाता है। मजदूर न लाखों–करोड़ों के घरों में कभी रह पाते हैं, न इन सड़कों पर रफ्तार भरने वाली गाड़ियों पर सवार हो पाते हैं। उन्हें उनकी मजदूरी के अतिरिक्त कोई तोहफा भी नहीं मिलने वाला। लेकिन संविधान में उनको जिस बराबरी का हक मिला हुआ है, उसे किसी भी तरह न मारा जाए, इतना ही ध्यान समाज रख ले तो गैरबराबरी दूर करने में यह बड़ा कदम होगा। फिर किसी बेटे को अपनी मां को तोहफा देने के लिए बेईमानी की राह पर नहीं चलना पड़ेगा।

राजस्थानी राजनीति के अपरिहार्य चेहरे हैं अशोक गहलोत और वसुंधरा राजे

उमेश चतुर्वेदी

संसदीय लोकतंत्र में सत्ता की कमान जिन्हें मिलती है, उनका सबसे बड़ा आधार राजनीतिक दल है। दिलचस्प यह है कि जिस लोकप्रतिनिधित्व कानून के जरिए देश में चुनाव होते हैं, उनमें राजनीतिक दल का जिक्र तो है, लेकिन राजनीतिक दलों की बात संविधान में कहीं नहीं है। संसदीय राजनीति के केंद्र बिंदु बने राजनीतिक दलों के लिए तय है कि उनमें अंदरूनी लोकतंत्र रहे और चुनाव होते रहें। लेकिन देश के तकरीबन सभी दलों में अंदरूनी लोकतंत्र की सिर्फ रस्म निभाई जाती है। अव्वल तो हर दल में अपना–अपना शक्तिशाली केंद्रीय नेतृत्व उभर चुका है। केंद्रीय नेतृत्व की ही मर्जी पर राज्यों के क्षत्रपों का नाम राजनीतिक दल तय करते हैं। केंद्रीय नेतृत्व की आंख से उतरा नहीं कि स्थानीय नेतृत्व किनारा हो जाता है। लेकिन अपने देश में एक राज्य ऐसा भी है, जहां इस परिपाटी को चुनौती मिल रही है। इस राज्य में प्रमुख रूप से देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी का ही दबदबा है। लेकिन दोनों ही दलों के पास इस राज्य में एक ऐसा स्थानीय नेतृत्व है, जो अपने–अपने दलों के शक्तिशाली केंद्रीय नेतृत्व को परोक्ष रूप से चुनौती दे रहा है। अव्वल तो दूसरा कोई होता तो दोनों ही दल अपने इन नेताओं को किनारे लगा चुके होते। लेकिन इनकी स्थानीय स्तर पर ताकत ऐसी है कि मौजूदा विधानसभा चुनावों में दोनों ही दलों को अपने स्थानीय ताकतवर नेतृत्व को नकार पाना संभव नहीं रहा। आपके मन में सवाल होगा कि आखिर वह कौन–सा राज्य है, जहां दोनों दलों में ऐसा स्थानीय नेतृत्व है, जिसे अपने केंद्रीय नेतृत्व की परवाह नहीं है। कुछ लोग अनुमान लगा भी रहे हैं। जी हां, आपने ठीक फरमाया, वह राज्य राजस्थान है। और यहां के दोनों दलों के स्थानीय क्षत्रप इतने ताकतवर हैं कि उनके बिना दोनों ही दल अपनी स्थानीय राजनीति की कल्पना नहीं कर सकते।

एक तरफ हैं कांग्रेसी मुख्यमंत्री अशोक गहलोत तो दूसरी तरफ हैं भाजपा की नेता और दो बार मुख्यमंत्री रह चुकीं वसुंधरा राजे सिंधिया। दोनों नेताओं की अपने–अपने समर्थक आधार पर पकड़ ही है कि दोनों ही दल अपने इन नेताओं को नकारने की हिम्मत नहीं दिखा सके। अशोक गहलोत से उनके पूर्व अध्यक्ष और कांग्रेस के सुपर आलाकमान राहुल गांधी की नाराजगी की खबरें दिल्ली से लेकर जयपुर तक के सियासी वायुमंडल में फैली हुई हैं। राजस्थान के चुनाव प्रचार में इसका असर दिखा भी। राज्य में चुनाव प्रक्रिया शुरू होने के बाद राहुल गांधी महज चार घंटे के लिए राजस्थान पहुंचे और तीन जनसभाओं को संबोधित किया। राजस्थान में विधानसभा की दो सौ सीटें हैं, लेकिन राहुल गांधी की तीन जनसभाओं के केंद्र में महज डेढ़ दर्जन ही विधानसभा सीटें रहीं। जिन्हें पता है कि कांग्रेस के सुपर आलाकमान इंदिरा परिवार की क्या ताकत होती है, वे जानते हैं कि अगर गहलोत की ताकत नहीं होती तो अब तक उन्हें आलाकमान घुटनों के बल ला चुका होता। लेकिन आलाकमान ऐसा नहीं कर पा रहा है। याद कीजिए, सचिन पायलट के विद्रोह को। उनके विद्रोह के वक्त कांग्रेस आलाकमान चाहता था कि अशोक इस्तीफा दें। आलाकमान का संदेश लेकर कांग्रेस के दो दूत मल्लिकार्जुन खरगे और अजय माकन जयपुर पहुंचे, लेकिन गहलोत ने ना सिर्फ इससे इनकार कर दिया, बल्कि शांति धारीवाल की अगुआई में विधायकों ने अशोक नहीं तो कोई नहीं जैसा समानांतर बगावत कर दी। अशोक गहलोत नहीं माने और अपने दम पर सचिन पायलट का विद्रोह थामने में कामयाब रहे। उसके बाद कांग्रेस आलाकमान ने अशोक गहलोत को पार्टी का अध्यक्ष बनाने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने मना कर दिया। उनकी जगह पर वे खड़गे अध्यक्ष बनाए गए, जो कभी उनके खिलाफ हुई बगावत को थामने के लिए आलाकमान के दूत बनकर जयपुर पहुंचे थे। कांग्रेस आलाकमान शांति धारीवाल को टिकट नहीं देना चाहता था, लेकिन गहलोत उन्हें टिकट दिलाने में कामयाब रहे। आलाकमान रोक नहीं पाया। जिन्हें सोनिया गांधी की राजनीति पता है, उन्हें पता है कि अपने विरोधियों को वे माफ नहीं करतीं। राजीव गांधी प्रधानमंत्री थे तो उस दौर में एक घोटाले को लेकर संसद में केरल के नेता केपी उन्नीकृष्णन ने सवाल उठाया था। उस दौर में उनके नाम से मिलते–जुलते नाम वाले एक और नेता थे, पी उपेंद्र। पी उपेंद्र बाद में वीपी सरकार में सूचना और प्रसारण मंत्री बने। उपेंद्र तेलुगू देशम के सांसद थे। सोनिया घोटाला उठाने को लेकर केपी उन्नीकृष्णन से खफा थीं, लेकिन वह उपेंद्र और उन्नीकृष्णन में फर्क नहीं कर पाईं। आंध्र के एक दौरे से पति राजीव के साथ लौटते वक्त उन्हें उपेंद्र दिख गए और उन्होंने सार्वजनिक रूप से हड़का दिया था। शांति धारीवाल ने बगावत के दिनों में प्रेस से यहां तक कह दिया था कि कौन हैं सोनिया गांधी। माना जा रहा था कि शांति धारीवाल के राजनीति के दिन लद गए, लेकिन अपने इस वफादार को अशोक गहलोत टिकट दिलाने में कामयाब रहे या दूसरे शब्दों में कहें तो टिकट उन्होंने दिया, यह जानते हुए भी उनका सुपर आलाकमान उनसे नाराज है। अब बात करते हैं वसुंधरा की।

खालिस्तानियों की शर्मनाक हरकत

भारत से राजनयिक विवाद के बावजूद जहां कनाडा में खालिस्तान समर्थकों का उत्पात जारी है वहीं अमेरिका के न्यूयार्क में गुरुपर्व के मौके पर गुरुद्वारे में माथा टेकने गए भारतीय राजदूत तरणजीत सिंह संधू से खालिस्तान समर्थकों की धक्का–मुक्की और शर्मनाक व्यवहार की जितनी निंदा की जाए उतनी कम है। खालिस्तान समर्थकों ने उन्हें आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए नारेबाजी की और आरोप लगाया कि उन्होंने ही एसएफजे के सरगना गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश भी रची है। कनाडा में खालिस्तानी तत्व लगातार हिन्दू मंदिरों के बाहर प्रदर्शन कर रहे हैं और पन्नू ने तो यह धमकी भी दी है कि कनाडा से हिन्दुओं को निकाला जाना चाहिए। पन्नू ने हाल ही में एयर इंडिया के विमानों को निशाना बनाने की धमकी दी थी और वह लगातार भारत के विरुद्ध जहर उगल रहा है। पन्नू अमृतसर के गांव खानकोट का रहने वाला है और वह अमेरिका में रहकर पंजाब में खालिस्तानी अलगाववादी मुहिम चला रहा है। भारत ने उसे आतंकवादी घोषित कर रखा है और उस पर एक दर्जन से ज्यादा केस दर्ज हैं। वह कथित खालिस्तान की स्थापना को लेकर डींगे हांकता रहता है। एक आतंकी इतना प्रभावशाली हो चुका है घ्जो कनाडा में रह रहे भारतीय समुदाय को धर्म के आधार पर धविभाजित करने की कोशिश कर रहा है। कनाडा में मुट्ठी भर खालिस्तान समर्थकों ने मंदिर के सामने प्रदर्शन किया तो हिन्दू समुदाय के लोग भी उनके सामने खड़े हो गए। जब भारत माता की जय के नारे गूंजे तो खालिस्तान समर्थक भाग खड़े हुए। न्यूयार्क टाइम्स की एक रिपोर्ट में कहा गया था कि कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत की भूमिका को लेकर जो आरोप लगाए हैं अमेरिका ने ही इस मामले में उन्हें खुफिया जानकारी उपलब्ध कराई थी। हाल ही में अमेरिकी अखबार फाइनेंशियल टाइम्स ने भी सूत्रों के हवाले से दावा किया है कि अमेरिका ने अपने देश की भूमि पर गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश को नाकाम किया है। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका ने इस साजिश में भारत के शामिल होने का आरोप लगाया है। इसके बाद अमेरिका की भूमिका को लेकर सवाल उठ खड़े हुए हैं कि अमेरिका भारत से कैसे रिश्ते रखना चाहता है। पन्नू को अमेरिका की नागरिकता हासिल है और इन रिपोर्टों का अर्थ यही है कि उसे कनाडा और अमेरिका की सरकारों का संरक्षण प्राप्त है।

राशिफल

मेष :– आज का दिन शुभ और फलदायी होगा। महत्त्वपूर्ण निर्णय न लेने की सलाह है। यात्रा के योग हैं। लेखनकार्य के लिए अच्छा दिन है। महिला के साथ विवाद में न उतरें।

वृषभ :– मन को स्थिर रखने की सलाह गणेशजी देते हैं, क्योंकि अर्निणय की मनोदशा से अवसर गवां सकते हैं। प्रवास का आयोजन टाल दें। नए कार्य प्रारंभ न करें।

मिथुन :– लक्ष्मीजी की कृपा से दिन लाभदायी होगा। उत्तम भोजन, सुंदर वस्त्र व अपनों के साथ से दिन आनंददायी होगा। धन अधिक व्यय न करें।

कर्क :– कोई भी महत्त्वपूर्ण निर्णय न लें। संबंधियों से मनमुटाव हो सकता है। वाणी पर संयम रखें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। मानहानि एवं धनहानि से बचें।

सिंह :– आज का दिन लाभदायी है। मित्रों से लाभ और पर्यटन की संभावना है। हाथ आया अवसर जा सकता है, इसलिए निर्णय टाल दें। व्यापार एवं आर्थिक लाभ के योग हैं।

कन्या :– आज दिन शुभ है। नए कार्य संपन्न होंगे। व्यापारी व नौकरीपेशा लोगों के लिए समय अच्छा है। व्यापार में लाभ व नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। पिता से लाभ होगा।

तुला :– व्यावसाय में लाभ की संभावना है ऐसा गणेशजी कहते हैं। नौकरी व व्यापार में सहकर्मियों से सहयोग नहीं मिलेगा। लंबी यात्रा का आयोजन हो सकता है। अस्वस्थ रहेंगे।

वृश्चिक :– आज शांति व सावधानीपूर्वक रूप से रहने की गणेशजी की सलाह है। नए कार्यों में असफलता के योग हैं। क्रोध पर संयम रखें। सरकार विरोधी प्रवृत्तियों से दूर रहें।

धनु :– आज का दिन आनंदपूर्वक बीतेगा। सहवास का आनंद मिलेगा। प्रवास, पर्यटन होगा। लेखनकार्य के दिन अनुकूल है। साझेदारी से लाभ होगा।

मकर :– व्यापार में विकास के लिए आज का दिन लाभकारी रहेगा। धन के लेनदेन में सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। घर में सुख–शांति का वातावरण बना रहेगा।

कुंभ :– आप की वाणी व विचारों में शीघ्र परिवर्तन होगा। बौद्धिक चर्चा में शामिल होंगे। आकस्मिक खर्च की आशंका है। पाचन न होने जैसी बीमारियों से परेशान होंगे।

मीन :– गणेशजी कहते हैं कि आप में उत्साह व स्फूर्ति की कमी होगी। परिजनों के साथ विवाद न करें। अस्वस्थ महसूस करेंगे। नौकरी में चिंता रहेगी। धन व कीर्ति की हानि न हो ध्यान रखें।

कुछ लोग विकास के एजेंडे को पीछे धकेलना चाहते हैं : योगी

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किसी खास राजनीतिक दल का नाम लिये बगैर कहा कि कुछ लोग परिवारवाद, जातिवाद, मत और मजहब के आधार पर समाज को बांटने का कुत्सित प्रयास कर विकास के एजेंडे को पीछे धकेलना चाहते हैं। श्री योगी ने भारत संकल्प यात्रा को संबोधित करते हुये गुरुवार को कहा कि कुछ लोग देश का विकास नहीं चाहते हैं। वह परिवारवाद, जातिवाद, मत और मजहब के आधार पर समाज को बांटने का कुत्सित प्रयास कर विकास के एजेंडे को पीछे धकेलना चाहते हैं। इससे हम सभी को बाहर आना होगा तभी गरीब के चेहरे पर उसके सपनों की खुशहाली लाई जा सकेगी। उन्होने कहा कि विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साढ़े नौ वर्षों में अपने महत्वपूर्ण निर्णयों, दूरदर्शी सोच एवं योजनाओं से देश भर में जो माहौल बनाया है, वह किसी भारतीय से छिपा नहीं है। इस संकल्प में केंद्र और राज्य सरकार की योजनाएं काफी सहायक बनी हैं, जिसका भव्य रूप आज हम सभी को देखने को मिल रहा है। विकसित भारत संकल्प यात्रा प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में आने वाले कुछ वर्षों में विकसित भारत की संकल्पना को स्थापित करेगी। इसमें हम सब का भी योगदान जरूरी है। इसी उद्देश्य से 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस पर विकसित भारत संकल्प यात्रा का शुभारंभ किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश 1947 में आजाद हुआ था। उसके बाद कई सरकारें बनीं। इन्होंने काम भी किया होगा और देश का पैसा भी खर्च किया होगा, लेकिन दुनिया में वर्ष 2014 से पहले भारत की छवि एवं यहां के लोगों के बारे में क्या धारणा थी, लेकिन दुनिया में आज क्या छवि है, यह हम सब देख रहे हैं। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन को दर्शाता है। वर्ष 2014 से पहले

देश में चेहरा देखकर योजनाएं बनाई जाती थीं। उसमें भी जमकर बंदरबांट का खेल होता था। उनके एजेंडे में गरीब, सामान्य नागरिक, महिलाएं और नौजवान शामिल नहीं होते थे। आज देश में गरीबों और जरूरतमंदों को प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत मिशन, गरीबों के घर में निशुल्क शौचालय, जनधन अकाउंट योजना, आयुष्मान भारत योजना, पीएम सम्मान निधि और पीएम स्वनिधि जैसी तमाम लोककल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। उन्होने कहा कि यह योजनाएं पहले क्यों नहीं चलायी गई, जबकि देश भी वही है और सरकार के आय के स्त्रोत भी वही हैं। सरकार आपके बारे में सोच रही है तो आपकी भी जिम्मेदारी बनती है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पंच प्रण के संकल्प को पूरा करने में अपना भरपूर सहयोग दें। केंद्र और राज्य सरकार हर नागरिक को आत्मनिर्भर बनाने के लिए विभिन्न योजनाएं चला रही है। इसी के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में पोषण मिशन से जुड़ी सभी योजनाओं की जिम्मेदारी स्वयं सहायता समूह को सौंपी गई, जिसका लाभ 60 हजार महिलाएं सीधे–सीधे रोजगार के जरिये उठा रही हैं। वहीं बैंकिंग सुविधा का लाभ ग्रामीणों को देने के लिए बीसी सखी बखूबी अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन कर रही हैं। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद डॉ. दिनेश शर्मा, महापौर सुषमा खर्कवाल, मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र, विधायक योगेश शुक्ला, डॉ. नीरज बोरा आदि उपस्थित रहे।

पुरानी पेंशन बहाली के लिए हड़ताल को सहमत हुए कर्मचारी शिक्षक

संवाददाता

लखनऊ। पुरानी पेंशन बहाली के लिए केन्द्र और राज्य स्तर पर किए जा रहे आन्दोलन के क्रम में अब कार्मिकों और शिक्षकों ने हड़ताल पर जाने का फैसला लिया है। इस संदर्भ में राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद की केन्द्रीय कार्यकारिणी के निर्देशानुसार हर विभाग के कार्मिकों और शिक्षकों से आन लाइन और ऑफलाइन सहमति पत्र मांगे गए थे। प्रदेश में यह अभियान 21नवम्बर से तीस नवम्बर तक चलाया गया है। इस अभियान में अब तक 100 प्रतिशत ऑफ लाइन एवं 96.03 प्रतिशत ऑन लाइन सहमति पत्र प्राप्त हुए। यह जानकारी आज संयुक्त परिषद कार्यालय राजभवन के समक्ष जिलाध्यक्ष अमिता त्रिपाठी और जिला मंत्री सुभाष चन्द्र तिवारी ने संयुक्त रूप से दी।पत्रकारों से बॉतचीत में अन्य विभागों के पदाधिकारियों ने बताया कि पुरानी पेंशन बहाली को लेकर केन्द्र और राज्य सरकार के साझा मंच द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर विरोध प्रदर्शन के साथ कई कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके है।

प्रदेश स्तर पर पुरानी पेंशन बहाली के लिए जनपदों में प्रदर्शन, रथ यात्रा और मौन वृत जैसे आन्दोलन के उपरान्त हड़ताल पर जाने के लिए 21 से 30 नवम्बर तक हड़ताल पर जाने के लिए ब्लाक स्तर से लेकर प्रान्त स्तर तक जनमत संग्रह कराया जा चुका है।पुरानी पेशन बहाली के लिएपूर्व में लगभग 2 करोड़ नागरिकों द्वारा महामहिम राष्ट्रपति महोदया को पुरानी पेंशन बहाली हेतु पिटीशिन भेजी जा चुकी है। विगत् 21 जनवरी, 2023 को नई दिल्ली में सम्पन्न राष्ट्रीय अधिवेशन में सर्वसम्मति से निधारित किये गये कार्यक्रम के अनुपालन में पुरानी पेंशन योजना बहाली की मांग को लेकर निरन्तर जनसम्पर्क, मशाल जुलूस, पेंशन–रथ यात्रा आदि के कार्यक्रम प्रदेश के कार्मिकों एवं शिक्षकों द्वारा किये जा चुके है।

लोकसभा चुनाव में होगा बहुकोणीय संघर्ष, बसपा की भूमिका होगी अहम : मायावती

संवाददाता

लखनऊ। आगामी लोकसभा चुनाव अकेले दम पर लड़ने के लिये कैडरों को तैयार रहने का आवाहन करते हुये बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती ने कहा कि केन्द्र व उत्तर प्रदेश सरकार की जनविरोधी नीतियों एवं कार्यप्रणाली के कारण आम चुनाव में बहुकोणीय संघर्ष होने के पूरे आसार हैं जिसमें बसपा की भूमिका अहम होने वाली है। उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखण्ड में पार्टी की तैयारियों की समीक्षा बैठक में सुश्री मायावती ने गुरुवार को कहा कि देश और यूपी समेत विभिन्न राज्य सरकारों की संकीर्ण, जातिवादी तथा जनविरोधी नीतियों एवं कार्यप्रणाली के कारण राजनीतिक हालात तेजी से बदल रहे हैं तथा ऐसे में किसी एक पार्टी का वर्चस्व नहीं होकर बहुकोणीय संघर्ष का रास्ता लोग चुनने को आतुर नजर आ रहे हैं। ऐसे में लोकसभा का अगला आमचुनाव दिलचस्प, संघर्षपूर्ण

और व्यापक जनहित एवं देशहित में साबित होने की प्रबल संभावना है, जिसमें बसपा की भूमिका अहम होगी। उन्होने कहा कि ऐसे हालात में पार्टी को समय–समय पर दिये जा रहे दिशा–निर्देशों पर ईमानदारी व निष्ठापूर्वक मेहनत करके अच्छा रिजल्ट हासिल किया जा सकता है। ऐसा होने पर बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर के 'आत्म सम्मान व स्वाभिमानी मूवमेन्ट' को न सिर्फ उत्तर प्रदेश बल्कि पूरे देश में मजबूती मिलेगी तथा समस्त गरीबों, वंचितों, शोषितों–पीड़ितों में से खासकर सदियों से जातिवाद के शिकार दलित, आदिवासी व अन्य पिछड़े वर्गों के साथ–साथ धार्मिक अल्पसंख्यकों में से विशेषकर मुस्लिम समाज के करोड़ों लोगों को जुल्म–ज्यादती, द्वेष, भेदभाव व दूसरे दर्जे के नागरिक की तरह के सरकारी व्यवहार से मुक्ति मिल जाएगी। बसपा अध्यक्ष ने कहा कि इसके लिए विरोधी पार्टियों और उनकी सरकारों के साम, दाम, दण्ड, भेद आदि सभी किस्म के हथकण्डों को अपनी बहुजन एकता और एकजुटता तथा सत्ता की मास्टर चाबी प्राप्त करने की अपनी चाहत ललक को ठोस लोकतांत्रिक मजबूती प्रदान करना जरूरी होगा, जो 'बहुजन समाज' के लिए मुश्किल काम नहीं है, क्योंकि ऐसा उन्होंने खासकर यूपी में अनेको बार करके देश को दिखाया है। सम्बोधन से पहले मायावती ने पार्टी की पिछली बैठक में दिये गये जरूरी दिशा–निर्देशों पर जमीनी स्तर पर होने वाले अमल की जिला व मण्डलवार समीक्षा रिपोर्ट लेने के बाद उन्हें अमलीजामा पहनाने में आने वाली कमियों को दूर करके आगे बढ़ने के लिये नये दिशा–निर्देश दिये।

शिवपाल की मांग, बीजेपी जातीय जनगणना पर बोले

डिप्टी सीएम का जवाब, सत्ता से बेदखल हुए तो इन्हें पिछड़े याद आ रहे

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में शीतकालीन सत्र का गुरुवार यानी आज तीसरा दिन है। सत्र में शामिल होने पहुंचे शिवपाल और डिप्टी सीएम केशव मौर्य ने मीडिया से बात की। जातीय जनगणना पर दोनों ने एक–दूसरे पर वार–पलटवार किया। शिवपाल ने कहा बीजेपी के पिछड़े वर्ग के सदस्य जातीय जनगणना पर बात करें। इसके जवाब में केशव बोले–जब सत्ता से बेदखल हो गए तो सपा को अब पिछड़ों की याद आ रही है। सदन में सपा के मुख्य सचेतक मनोज पांडे डेंगू और गन्ना किसानों को लेकर चर्चा करने की मांग कर रहे थे। इस पर विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि आपने इसका प्रश्न काल और नोटिस नहीं दिया। इसलिए इस पर चर्चा नहीं की जाएगी। डेंगू और स्वास्थ्य को लेकर सदन के दूसरे दिन कार्यवाही में चर्चा हुई थी। आज तीसरे दिन भी सपा विधायक चर्चा

करने की मांग कर रहे थे। चर्चा की बात नहीं बनी तो सपा ने सदन से वॉकआउट कर दिया। कांग्रेस विधान मंडल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने सदन के बाहर मीडिया से बात की। उन्होंने कहा कि यूपी सरकार द्वारा विधानसभा में पेश किए गए गुंडा अधिनियम को वापस क्यों लिया गया? आखिर राज्यपाल ने इस बिल पर क्यों सहमति नहीं दी। इस बिल को गोपनीय तरीके से सदन के पटल पर रखकर वापस ले लिया गया। लेकिन, इस पर चर्चा नहीं की गई। क्योंकि सदन की कार्यवाही में कोई भी बल सदन में पास होता है। उसकी स्वीकृति अगर राज्यपाल नहीं करती हैं तो इस पर चर्चा होती है। सरकार और सदन को बताया जाता है कि ये बिल क्यों नहीं पास हुआ। आराधना मिश्रा मोना ने यह भी कहा कि ऐसा विधानसभा के इतिहास में पहली बार होगा, जब कोई बिल वापस हुआ हो और उस पर राज्यपाल ने असहमति जताई हो। यूपी सरकार और राज्यपाल के बीच आखिर कौन–सी असमंजस की स्थिति बनी है। इस पर बिल के वापस होने को लेकर हमने आज सदन में चर्चा के लिए कहा था, लेकिन कोई चर्चा नहीं हुई है। लखनऊ समेत सात महानगरों में पुलिस कमिश्नर प्रणाली लागू होने के बाद गुंडा एक्ट लागू करने और आरोपित की अपील करने पर उसकी सुनवाई के अधिकारों में कुछ बदलाव किए गए थे। इसी साल मार्च में कैबिनेट ने उप्र गुंडा नियंत्रण (संसोधन) विधेयक 2021 में परिवर्तन के साथ उप्र गुंडा नियंत्रण (संसोधन) विधेयक 2023 लागू किए जाने की मंजूरी दी थी।

नवयुग में नवागंतुक छात्राओं का स्वागत समारोह आयोजित

संवाददाता

लखनऊ। आज नवयुग कन्या महाविद्यालय के विज्ञान संकाय में बी. एस.सी. प्रथम सेमेस्टर की नवागंतुक छात्राओं का स्वागत समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्या प्रो.मंजुला उपाध्याय द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन के साथ किया गया। विज्ञान संकाय की वरिष्ठ प्रवक्ताओं द्वारा पौध भेंट कर प्राचार्या एवम अतिथियों का अभिनंदन किया गया। द्वितीय एवं तृतीय वर्ष की छात्राओं द्वारा रंगारंग कार्यक्रम में समूह नृत्य, लघु हास्य नाटक, गायन इत्यादि प्रस्तुत किए गए। तृतीय वर्ष की कैफिया इस्लाम के द्वारा प्रस्तुत स्वरचित शायरी ने कार्यक्रम का समां बांध दिया। नवागंतुक छात्राओं के लिए मिस फ्रेशर्स प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया जिसमें छात्राओं ने बढ़ चढ़ कर प्रतिभाग किया। प्रतिभागियों ने प्रथम चरण में रैम्प वॉक एवम द्वितीय चरण में टैलेंट हंट में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया गया। विजेताओं का चयन अंतिम चरण में छात्राओं द्वारा दिये गए उत्तर के आधार पर निर्णायक मंडल द्वारा किया गया। निर्णायक मंडल में प्रो. अंबिका बाजपेई (इतिहास विभाग), डा. सीमा पांडे (शारीरिक शिक्षा विभाग) एवं डा.सुखमनी गांधी (वाणिज्य विभाग) उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का सफल संचालन तृतीय वर्ष की गरिमा सिंह व अनुप्रिया यादव द्वारा किया गया। निर्णायक मंडल द्वारा सृष्टि मिश्रा को मिस फ्रेशर्स, मानसी बाजपेई को फर्स्ट रनर अप एवं प्रियांशी तिवारी को सेकंड रनर अप चुना गया। प्राचार्या द्वारा छात्राओं को बधाई एवं आशीर्वचन दिए गए और कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए छात्राओं का उत्साहवर्धन किया गया। कार्यक्रम में विज्ञान संकाय के सम्मानित शिक्षकगण उपस्थित रहे। सभी छात्राओं ने कार्यक्रम का भरपूर आनंद उठाया एवम सूक्ष्म जलपान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

सदन में अखिलेश यादव ने उठाया किसानों की आय का मुद्दा, कांग्रेस नेता आराधना मिश्रा ने पूछा सवाल

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानमंडल के शीतकालीन सत्र में गुरुवार को प्रश्नकाल के बाद अनुपूरक बजट पर चर्चा हो रही है। इससे पहले बुधवार को वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने 28760 करोड़ का अनुपरक बजट पेश किया। बजट पर अखिलेश यादव ने सवाल उठाए हैं। कांग्रेस की विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने इन्वेस्टर समिट को लेकर सवाल पूछा कि सरकार यह जानकारी दें कि इन्वेस्टर समिट के आयोजन पर कितना खर्च हुआ और कितना निवेश आया और कितना निवेश जमीन पर उतर गया, किस जिले में कितना निवेश हुआ है। सपा विधायक डॉ. संग्राम यादव ने सवाल पूछा है कि क्या मुख्यमंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में जातीय जनगणना कराए जाने पर सरकार विचार करेगी, यदि नहीं तो क्यों? विधान परिषद में एक दिन पहले इसी मुद्दे पर सपा और भाजपा के बीच बहस हो चुकी है। अनुपूरक सवाल के तौर पर उन्होंने पूछा है कि क्या उत्तर प्रदेश में भी

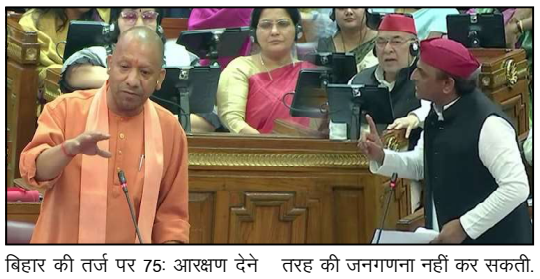

बिहार की तर्ज पर 75: आरक्षण देने पर सरकार विचार करेगी। इस प्रश्न के जवाब में कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने बताया कि डॉ राम मनोहर लोहिया जाति जोड़ने की बात करते थे। डॉ. भीमराव अंबेडकर भी समता मूलक समाज की स्थापना की बात करते थे। उन्होंने कहा कि जहां तक जातीय जनगणना का सवाल है तो यह केंद्र सरकार का विषय है और संविधान की व्यवस्था को तोड़कर राज्य सरकार अपने स्तर से किसी तरह की जनगणना नहीं कर सकती. समाजवादी पार्टी के विधायकों ने सरकार के जवाब से नाखुश होकर नारेबाजी शुरू कर दी है। इसके विरोध में समाजवादी पार्टी के अनेक सदस्य वॉकआउट कर गए हैं। वहीं, सत्र की शुरुआत में किसानों की आय का मुद्दा जोरशोर से उठाया गया. समाजवादी पार्टी के विधायक अखिलेश ने किसानों की आय दोगुना करने से संबंधित सवाल पूछा है। इस पर चर्चा करते हुए समाजवादी पार्टी विधायक दल के मुख्य सचेतक मनोज पांडे ने बताया है कि उत्तर प्रदेश में कृषि आय दोगुनी नहीं हुई है। लगातार विभिन्न मदों में किसानों की आय घट रही है। सवाल यह है कि किसान फायदे में है या घाटे में है। उन्होंने अलग–अलग आंकड़े प्रस्तुत किए हैं जिसके मुताबिक किसानों की आय लगातार उत्तर प्रदेश में घट रही है। इसके अलावा किसानों की फसलों को बेसहारा पशुओं के जरिए होने वाले नुकसान का सवाल भी मनोज पांडेय पूछा। इस सवाल को लेकर सदन में बहस जारी हैय इस मुद्दे को लेकर कृषि मंत्री शाही ने आंकड़े रखे तो सपाइयों ने हंगामा शुरू कर दिया कुछ सपा विधायक सदन से वॉकआउट कर गए।

यूपी में बदला मौसम का मिजाजय बूंदाबांदी ने बढ़ाई ठंड, अगले तीन दिनों तक बारिश रहेगी जारी

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में हल्की बारिश के बाद अब मौसम का मिजाज बदलने है। ठंड बढ़ने लगी है और सुबह–शाम के समय घने कोहरे की चादर छाई रहती है। आज सुबह से ही कई इलाकों में हल्की बारिश हो रही है। बारिश ने ठंड तो बढ़ा दी है, लेकिन अभी तक लोगों को प्रदूषण से राहत नहीं दिला पाई। लोग अभी भी प्रदूषण की समस्या का सामना कर रहे है। इसी बीच मौसम विभाग ने जानकारी दी है कि आने वाले दो तीन दिनों में कई जिलों में बारिश हो सकती है, जिससे सर्दी और बढ़ जाएगी। मौसम विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक, राजधानी लखनऊ समेत यूपी के कई हिस्सों में आज सुबह से ही रुक–रुक कर बारिश का दौर जारी रहा। सुबह से शुरू हुई बारिश ने ठंड बढ़ा दी है। कई इलाकों में बादल छाए हुए है और ठंडी हवाएं चल रही है। विभाग की मानें तो अगले दो से तीन दिन तक बारिश का सिलसिला जारी रहेगा। पश्चिमी यूपी में एक दो स्थानों पर बारिश और गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। प्रदेश में वायु प्रदूषण की बात करें तो अभी तक लोगों को प्रदूषण से राहत नहीं मिली है। आज यानी गुरुवार को

नोएडा सेक्टर–125 का एयर क्वालिटी इंडेक्स 312, ग्रेटर नोएडा नॉलेज पार्क फेज–5 का एक्यूआई 338 रिकॉर्ड किया गया है। यहां हवा की गुणवत्ता बेहद खराब श्रेणी में रही। जबकि गाजियाबाद में लोनी का एक्यूआई 363 रहा। इसके अलावा बुलंदशहर का एक्यूआई 287, लखनऊ के लालबाग का एक्यूआई 321 रहा, जो बेहद खतरनाक स्तर पर है।

निर्माण एजेंसी को दिसंबर तक काम पूरा करने का दिया नोटिस

संवाददाता

उन्नाव। अमृत योजना (अटल मिशन ऑफ रेजूवेनेशन एंड अर्बन ट्रांसफॉर्मेशन) से करीब आधे शहर के 16 हजार घरों तक जलापूर्ति शुरू करने का निर्माण एजेंसी का दावा खोखला साबित हुआ है। जिन क्षेत्रों में जलापूर्ति का दावा किया है वहां टोटियों से अब तक पानी की बूंद नहीं टपकी। जलनिगम ने एजेंसी को दिसंबर तक काम पूरा करने का नोटिस भेजा है। उधर, नगर पालिका ने जलनिगम को साफ कह दिया है कि योजना को कम से कम चार महीने ट्रायल बेस पर चलाकर जलापूर्ति व्यवस्था सुचारु करें। इसके बाद ही पालिका योजना को अपने हाथ (हैंडओवर) में लेगी। शहर के 30 हजार घरों तक शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए वर्ष 2018 में केंद्र सरकार ने अमृत योजना में शामिल किया था। 253 करोड़ की इस योजना से हर घर में शुद्ध पानी पहुंचाने का लक्ष्य है। जलनिगम ने पहले चरण में शहर के 30,298 घरों में पानी पहुंचाने का लक्ष्य तय किया है। हालांकि पांच साल में सात बार योजना का काम पूरा करने और जलापूर्ति शुरू करने की समय सीमा तय हो चुकी है, लेकिन अबतक घरों तक पानी नहीं पहुंचा। वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट, भूमिगत टैंक, ओवरहेड टैंक व भूमिगत पाइपलाइन और घरों तक कनेक्शन पहुंचाने का काम काम जारी है। निर्माण एजेंसी कभी बजट की कमी तो कभी कोरोना के बहाने समय सीमा बढ़ाती रही। एजेंसी का दावा है कि अकरमपुर, शेखपुर, आदर्श नगर व शिवनगर सहित सात जोन के 16 वार्डों में पानी पहुंचा दिया गया है, लेकिन वहां अभी तक घरों की टोटियों से पानी की बूंद नहीं टपकी। अब जलनिगम ने निर्माण एजेंसी को दिसंबर 2023 तक हर हाल में काम पूरा करने और शहर के सभी 32 वार्डों के घरों में पानी पहुंचाने का नोटिस दिया है। सांसद साक्षी महाराज ने बताया कि पिछली दिशा की बैठक में जल निगम के अधिशासी अभियंता ने बताया था कि 16 हजार घरों में जलापूर्ति शुरू हो गई है, लेकिन जब उनसे उन मोहल्लों की सूची मांगी गई तो नहीं दे सके थे। बताया कि जल निगम को स्पष्ट कह दिया गया है कि वह दिसंबर तक काम पूरा कराएं और शहर के हर घर तक शुद्ध जलापूर्ति सुनिश्चित कराएं। सांसद ने बताया कि अगर इस बार तय समय में काम पूरा नहीं हुआ तो सख्त कदम उठाए जाएंगे। नगर पालिका जलकल अभियंता विवेक वर्मा ने बताया कि शहर में अभी तक कहीं भी अमृत योजना से जलापूर्ति शुरू नहीं हुई है, जल निगम केवल टेस्टिंग कर रहा है। उन्होंने बताया कि शहर में नगर पालिका के 24 ट्यूबवेल हैं और अभी भी उन्हीं के माध्यम से जलापूर्ति की जा रही है। बताया कि टेस्टिंग करके जलनिगम पानी पहुंचाने का दवा कर देता है। जलनिगम सहायक अभियंता अमित कुमार ने बताया कि सात जोन के 14 वार्डों में 16 हजार घरों तक पानी पहुंचा दिया गया है। अलग–अलग समय में जलापूर्ति भी की जाती है। बताया कि भूमिगत पाइपलाइनों में लीकेज या टूटफूट होने पर उसकी मरम्मत कराई जा रही है। दावा किया कि केवल चार जोन की टेस्टिंग बची है जो तेजी से पूरी कराई जा रही है। नगर पालिका अध्यक्ष श्वेता मिश्रा ने बताया कि अमृत योजना से अभी शहर में किसी भी वार्ड में जलापूर्ति शुरू नहीं हुई है। पालिका के सभी ट्यूबवेल से ही जलापूर्ति की जा रही है। बताया कि अमृत योजना की भूमिगत पाइपलाइनों में इतनी ज्यादा लीकेज और पंप में गड़बड़ी व टूटफूट हो रही है कि जल निगम के अधिकारियों को साफ कह दिया गया है कि काम पूरा होने के बाद भी कम से कम चार महीने जलनिगम द्वारा ही ट्रायल पर चलाया जाए, इसके बाद ही पालिका अपने हाथ में लेगी।

मोदी के नेतृत्व में उत्तराखंड टनल से सभी श्रमिकों को सकुशल निकाला गया

संवाददाता

उन्नाव। सांसद साक्षी महाराज ने उत्तराखंड की टनल में फंसे मजदूरों के सकुशल निकलने पर प्रधानमंत्री के पर्यवेक्षण और हर संभव मदद का नतीजा बताया। सांसद ने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री को भी बधाई दी। गदनखेड़ा स्थित कार्यालय में मीडिया से बातचीत में उन्होंने राहुल गांधी, वरुण गांधी और अखिलेश यादव पर जोरदार हमला बोला। सांसद ने कहा कि उत्तराखंड की टनल में फंसे सभी 41 श्रमिक भाइयों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सकुशल बाहर निकाला गया। यह बाबा केदारनाथ व भगवान बद्री विशाल की कृपा है कि जो असंभव लग रहा था, जिसके लिए सारा देश प्रार्थना कर रहा था, वह सब सही सलामत बाहर आ गए हैं। सांसद ने राहुल गांधी के प्रधानमंत्री के आपत्तिजनक बयान पर कटाक्ष करते हुए कहा है कि कांग्रेस का सूर्य अस्त होने वाला है। राजस्थान भी उनके हाथ से जाने वाला है। वहीं, सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के भाजपा को लेकर दिए गए बयान, जो 14 में आए थे वह 2024 में चले जाएंगे, पर सांसद ने कहा कि कम से कम 2047 तक ऐसा नहीं होगा। मोदी का विकल्प किसी के पास नहीं है। भाजपा सांसद वरुण गांधी के अपनी ही सरकार पर महंगाई, अग्निवीर व मुफ्त खाद्यन्न पर सवाल उठाने और जयश्री राम व भारत माता की जय नारे से समस्या हल न होने की बात पर सांसद ने कहा कि वरुण गांधी का भी सूर्य अस्त होने की तरफ जा रहा है। यह शहीदों, क्रांतिकारियों का अपमान है जो हिंदुस्तान जिंदाबाद भारत माता की जय का नारा लगाते हुए सीने पर गोली खाकर फांसी के फंदे पर लटक गए थे। सांसद ने कहा कि भाजपा उत्तर प्रदेश में सभी 80 सीटें जीतने वाली है और 335 सीट से ज्यादा लाकर केंद्र में फिर नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनाएंगे।

लापरवाही पर ग्राम विकास अधिकारी निलंबित

संवाददाता

हरदोई। गांवों के विकास, निर्माण और योजनाओं व कार्यक्रमों की खराब स्थिति के साथ ही बैठकों में गैरहाजिरी पर जिला विकास अधिकारी ने एक ग्राम विकास अधिकारी को निलंबित कर दिया है। जिला विकास अधिकारी अरविंद कुमार ने बताया कि भरखनी बीडीओ की ओर से मिली रिपोर्ट पर यह कार्रवाई की गई है। भरखनी में तैनात ग्राम विकास अधिकारी इकलाख रशीद सिद्दीकी पर आरोप है कि वह ब्लॉक पर होने वाली साप्ताहिक बैठकों में गैरहाजिर रहते हैं। प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण, मनरेगा में आधार फीडिंग में लापरवाही की है। क्लस्टर की पंचायतों में रोस्टर के अनुसार उपस्थिति भी नहीं दर्ज कराते हैं। जिससे लोगों को अपने कामों के लिए ब्लॉक व जिला मुख्यालय की दौड़भाग करनी पड़ती है। बैठकों में गैरहाजिरी के कारण बीडीओ की ओर से इनके क्लस्टर की पंचायतों की समीक्षा भी नहीं की जा पा रही थी। बताया कि ग्राम विकास अधिकारी को निलंबित किए जाने के साथ ही विकास खंड हरपालपुर से संबद्ध किया गया है। हरपालपुर के बीडीओ को जांच अधिकारी नामित किया गया है। वह पूरे प्रकरण की विस्तृत जांच करते हुए आरोप पत्र का गठन कराएंगे।

रेउसा में चलते मिले दो अवैध अस्पताल

संवाददाता

सीतापुर। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने बुधवार को रेउसा में चल रहे अवैध अस्पतालों के खिलाफ अभियान चलाया। इस दौरान दो अस्पतालों में गैर कानूनी ढंग से प्रसव होने की बात सामने आई। नोटिस देकर दोनों अस्पतालों का संचालन रोक दिया गया है। रेउसा सीएचसी प्रभारी डॉ. अनंत मिश्रा के नेतृत्व में अभियान चलाया गया। मारूबेहड़ के सोनू पांडेय के वहां अवैध अस्पताल संचालन की जानकारी मिली थी। चार दिन पहले यहां पर एक प्रसूता की मौत भी हो गई थी। टीम जांच करने पहुंची तो वहां पर प्रसव कराने संबंधी उपकरण मिले। संचालक अस्पताल के पंजीकरण का कोई कागजात नहीं दिखा सकें। दवाओं का स्टॉक मिला। इसके अलावा रेउसा सीएचसी प्रभारी ने मीतू सिंह के वहां पर छापा मारा। टीम को देखते ही संचालक भाग निकले। इस पर इन दोनों अस्पतालों का संचालन बंद करा दिया गया है। नोटिस चस्पा कर दिया गया है। सीएचसी अधीक्षक ने बताया जवाब आने के बाद कार्रवाई की जाएगी।

टेंपो से टकराई बाइक, युवक की मौत

संवाददाता

बिसवां (सीतापुर)। कोतवाली क्षेत्र में टेंपो और बाइक की टक्कर में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना महोली के गांव बंजरिया निवासी अतुल अवस्थी (40) बाइक से मंगलवार को पैदापुर स्थित अपनी ससुराल गया था। बुधवार सुबह वह कोटरा निवासी अपनी मौसी के यहां जाने के लिए निकला। वहां से वापस आते समय महमूदाबाद मार्ग पर जनता ईंट–भट्ठे के पास टेंपो ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार अतुल और टेंपो सवार शाहजहांपुर के भारद्वाजी निवासी श्यामपाल घायल हो गए। दोनों को बिसवां सीएचसी ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने अतुल को मृत घोषित कर दिया। अतुल हरदोई के हरियावां सीएचसी में एंबुलेंस का चालक था। इंस्पेक्टर अनिल सिंह ने बताया कि मौके पर हेलमेट नहीं मिला है। शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। अतुल के तीन बेटियां और दो बेटे हैं।

पहले खाते हैं खाना, फिर करते हैं चोरीः शादियों में रिश्तेदार बनकर आते हैं, मौका देखते ही उड़ाते कीमती सामान

संवाददाता

आगरा। मध्य प्रदेश के अशोक नगर जिले से सांसी गैंग ने आगरा में दस्तक दी है। पहली बार में ही उन्होंने बड़ा हाथ मारा। राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष अशफाक सैफी के बेटे की शादी में मैरिज होम से बैग चोरी कर लिया। पुलिस ने बुधवार को गैंग के एक सदस्य को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। अभी उसके 4 और साथी बाकी हैं। उनके बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। डीसीपी सिटी सूरज राय ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी बॉबी है। वह अशोक नगर जिले के थाना मुगांवली स्थित नई बरसात का रहने वाला है। उसे थाना लोहामंडी पुलिस ने नगर निगम वर्कशॉप के पास से गिरफ्तार किया। 20 नवंबर को लोहामंडी स्थित अग्रसेन भवन में राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष के बेटे का दावत ए वलीमा का समारोह था। आरोपी बॉबी स्टेज के पास से बैग चोरी करके ले गया था। उसमें गिफ्ट में आए लिफाफे और जेवरात रखे हुए थे। आरोपी से चोरी किए गए 5 लाख रुपए, जेवरात और मोबाइल बरामद किया गया है। पुलिस की पूछताछ में आरोपी बॉबी ने बताया कि उसके साथ चार लोग और आए हुए हैं। वह लोग जगह जगह घूमते रहते हैं। मौका पाकर मैरिज होम में घुस जाते हैं। पहले खाना खाते हैं। अच्छे कपड़े पहने होने की वजह से घर घराती और बराती भी उन पर शक नहीं करते हैं। वो फिर यह देखते हैं कि दूल्हा और दुल्हन के परिवार वाले

बैग लेकर कहां खड़े हुए हैं। जहां वह लोग होते हैं, वहीं पहुंच जाते हैं। इसके बाद बैग को पार कर लेते हैं। रेलवे स्टेशन के आसपास ही रुके रहते हैं, जिससे लगे कि वह ट्रेन पकड़ने के लिए यहां पर आए हुए हैं। उसने अभी अपनी गैंग के साथियों के बारे में जानकारी नहीं दी है। सीसीटीवी फुटेज से पुलिस को आरोपी के बारे में सुराग मिल गया। पहचान होने पर उसे गिरफ्तार कर लिया। डीसीपी सूरज राय ने बताया कि आरोपी के अन्य साथियों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। जल्दी उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पुलिस को जानकारी मिली है कि मध्य प्रदेश के राजगढ़ से भी चोरों की टोलियां आई हुई है। यह अलग–अलग जिलों में जाती है। हालांकि गिरफ्तार आरोपी ने इन टोलियों के संबंध में कोई जानकारी नहीं दी है। पुलिस अपने स्तर से जानकारी जुटा रही है। मैरिज होम में पहले ही नोटिस बोर्ड पर पोस्टर चस्पा किए गए हैं। अपने बैग और अन्य सामान की सुरक्षा के लिए दूल्हा–दुल्हन पक्ष को निर्देशित किया गया है। इसके साथ ही मैरिज होम संचालकों को भी दिशा निर्देश दिए हैं।

पहले लूटी कार और फिर दोस्त को किया अगवा, सामने आई हैरान कर देने वाली वजह

संवाददाता

आगरा। न्यू आगरा पुलिस ने तमंचे सटाकर चालक को बंधक बनाने और कार लूटने के दो आरोपियों को मुठभेड़ के दौरान पोइया घाट रोड पर गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से दो कार, दो तमंचे, दो कारतूस और दो खोखे बरामद किए। लूट की कार से वह अपने दोस्त को अगवा कर सबक सिखाना चाहते थे। डीसीपी सूरज राय ने बताया कि न्यू आगरा थाने में दयालबाग के अपर्णा रिवर व्यू अपार्टमेंट निवासी वरुण अरौरा ने केस दर्ज कराया था। बताया कि 21 नवंबर को उसके बेटे का जन्मदिन था। शाम 5 बजे बच्चों को ड्राइवर के साथ भगवान टॉकीज के पास एक फन जोन में खेलने के लिए भेजा था। वह बच्चों को उतारकर हाईवे के सर्विस रोड पर कार खड़ी कर रहा था। इस दौरान तीन युवक आ गए। तमंचे सटाकर चालक को बंधक बनाया और कार में डाल ले गए। इसके बाद कुबेरपुर कट के पास मारपीट कर चालक को कार से बाहर फेंककर भाग गए। पुलिस ने सी सी टी वी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान की। मंगलवार रात पोइया घाट रोड पर मुठभेड़ के दौरान मैनपुरी के गांव कंचनपुर निवासी अनूप उर्फ नीरज और करहल निवासी जितेंद्र भदौरिया को गिरफ्तार किया। जिनमें आरोपी जितेंद्र गैंगस्टर है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उनके गांव में मोनू कश्यप नाम का उनका दोस्त है। उसने दोनों से रुपये उधार लिए थे। मांगने पर

गालीगलौज कर जान से मारने की धमकी देता था। इसलिए लूटी हुई कार से उसे अगवा कर सबक सिखाना चाहते थे। यह भी यकीन था कि घटना करने के बाद उनकी पहचान नहीं हो सकेगी।

सीने में गोली और गले में फंदा, ऐसे हाल में झाड़ियों में मिली ई-रिक्शा चालक की लाश; जांच में जुटी पुलिस

संवाददाता

आगरा। मथुरा रोड स्थित गांव अडींग के पास रजबहा की पटरी पर झाड़ियों में बुधवार देर शाम युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। बताया जा रहा है कि युवक के सीने में गोली मारकर और गले में फंदा लगाकर झाड़ियों में फेंका गया है। मृतक के पास मिले आधार कार्ड से उसकी शिनाख्त हुई है, जोकि ई–रिक्शा चलाता था। जानकारी के अनुसार बुधवार देर शाम अडींग रजबहा की पटरी पर झाड़ियों के बीच एक युवक का शव स्थानीय लोगों ने देखा। सूचना चौकी पुलिस के साथ–साथ थाने में दी। थाना प्रभारी निरीक्षक विनोद बाबू मिश्र मय फोर्स के पहुंच गए। युवक के सीने में गोली लगी थी और गले में फंदा लगा हुआ था, किसी ने उसकी

गोली मारकर हत्या कर दी थी। पुलिस को मृतक युवक के शव के पास से आधार कार्ड मिला और उसकी पहचान अमित पाल (28) निवासी बौहरे गली औरंगाबाद मथुरा के रूप में हुई है। बताया गया कि युवक 27 नवंबर से घर से निकला था और वापस नहीं लौटा, करीब 15 दिन पहले ही ई–रिक्शा खरीदा था। उसके भाई ने भी उसे 27 नवंबर को मथुरा में रेलवे स्टेशन के नजदीक देखा था। गायब होने के बाद सदर पुलिस भी उसकी तलाश कर रही थी। कई सीसीटीवी कैमरे के रिकॉर्ड के अनुसार उसके गोवर्धन की ओर जाने की लोकेशन मिल रही थी। कयास लगाए जा रहे हैं कि युवक के साथ लूट करने के बाद उसकी हत्या कर दी हो। पुलिस प्रत्येक पहलू से जांच कर रही है। सीओ राममोहन शर्मा ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक की गुमशुदगी दो दिन पहले सदर थाने में दर्ज हुई थी। परिजनों को सूचना दे दी है। पुलिस जांच कर रही है।

यमुना एक्सप्रेस-वे का मांट टोल एक घंटे तक रहा फ्री, बिना टैक्स दिए दौड़े वाहन

संवाददाता

आगरा। मथुरा भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के कार्यकर्ताओं ने बुधवार को राष्ट्रीय नेतृत्व के निर्देश पर यमुना एक्सप्रेस–वे के मांट टोल पर पर प्रदर्शन किया। दोपहर करीब एक घंटे तक मांट टोल को फ्री कर दिया। इससे वाहन बिना टैक्स दिए टोल से निकल गए। भाकियू के राष्ट्रीय महासचिव चौधरी युद्धवीर सिंह को इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गिरफ्तार किया गया था। इसके विरोध में कार्यकर्ताओं ने मांट टोल पर जोरदार प्रदर्शन करते हुए करीब एक घंटे तक मांट टोल को फ्री कर दिया। जिलाध्यक्ष देवेंद्र कुमार रघुवंशी, महानगर अध्यक्ष पवन चतुर्वेदी, किसान नेता गजेंद्र सिंह गावर, युवा महानगर अध्यक्ष सलीम खान ने कहा कि किसान नेताओं का आठ सदस्यीय

प्रतिनिधिमंडल अंतरराष्ट्रीय किसान सम्मेलन में भाग लेने कोलंबिया रवाना हो रहा था। इसमें चार पुरुष और चार महिलाएं शामिल थीं। नेतृत्व राष्ट्रीय महासचिव चौधरी युद्धवीर सिंह कर रहे थे। सम्मेलन में खेती–किसानी सहित पर्यावरण जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होनी थी। लेकिन युद्धवीर सिंह को भारत सरकार ने अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर यह कहकर गिरफ्तार कर लिया कि उन पर दिल्ली में हुए किसान आंदोलन के मुकदमे दर्ज हैं। जबकि दिल्ली में हुए आंदोलन के बाद चौधरी युद्धवीर सिंह तीन बार किसान सम्मेलन में भाग लेने के लिए दूसरे देशों में जा चुके हैं । केंद्र सरकार के इस प्रकार के कार्यों से लगता है कि वह देश के किसानों की आवाज को दबाना चाहती है। यह गिरफ्तारी किसानों की आवाज को और उग्र करने का काम करेगी। कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार किसान नेताओं पर फर्जी मुकदमे लगा रही है। किसान नेताओं को जेल भेजा जा रहा है। अब केंद्र सरकार व उत्तर प्रदेश सरकार के खिलाफ मथुरा में होगा बड़ा आंदोलन।

एक झटके में छिन गई खुशियां, चार बरातियों की मौत से गांव में पसरा सन्नाटा

संवाददाता

मथुरा। मथुरा के गांव उमराया में दो सगे भाईयों के साथ सगी बहनों की शादी की रस्में उल्लास पूर्वक निभाई

जा रही थीं। वर और वधू पक्षों में खुशी का माहौल था। रात करीब 10.30 बजे जैसे ही बरातियों के वाहन के दुर्घटनाग्रस्त होने और चार लोगों की मौत का समाचार मिला, खुशियां मातम में बदल गईं। शादी समारोह से जुड़े परिवारों में अफरातफरी मच गई। दूल्हों के परिवार से जुड़े चार लोगों की मौत से गांव में सन्नाटा पसर गया। गांव उमराया में गिरीराज उर्फ कल्लू की पुत्री कुसुम और कविता की शादी के लिए औरंगाबाद से बरात आई थी। कल्लू के घर और मोहल्ले में खुशी का माहौल था। बरात पहुंचने के बाद शादी की रस्में पूरी की जा रहीं थीं। गांववासियों ने दोनों दूल्हों व बरात का स्वागत किया। रात 10:30 बजे अन्य रस्में निभाईं जातीं, इससे पहले बराती और घराती पक्ष में अफरातफरी मच गई। शादी में भोजन कर पलवल लौट रहे दूल्हों के फूफा चुन्नीलाल, रिश्ते में दादा दलवीर, चचेरे भाई ध्रुव और रिश्ते में चाचा श्यामलाल की हादसे में मौत की सूचना मिली। बराती शादी समारोह को छोड़कर घटनास्थल और हॉस्पिटल की ओर दौड़ पड़े। शादी के उल्लास में डूबा दुल्हन कविता और कुसुम के घर और आसपास का माहौल भी अचानक बदल गया। मोहल्ले में सन्नाटा पसर गया। श्यामलाल तो अपने पिता के अकेले बेटे थे। उनके दो बेटा और एक बेटी है। वह दर्जी का काम करते थे। दलवीर शादी में शामिल होने के लिए दो दिन पहले ही पंजाब से आए थे। ध्रुव के पिता रोहताश और भाई मोहित की हालत गंभीर है। मिनी बस को रोहताश ही चला रहे थे। वे बरात में शामिल होने के लिए घर से उमराया अकेले आए और वापसी के दौरान दोनों बेटे और कुछ अन्य परिजन भी मिनी बस में सवार हो गए।

हवलदार के अंतिम संस्कार के लिए नहीं मिली जमीन, लोगों में फैला आक्रोश, आगरा–इटावा हाईवे किया जाम

संवाददाता

आगरा। आगरा के बाह में गुरुवार को हवलदार नीरज सिंह की अंत्येष्टि के लिए जमीन आवंटित न होने के

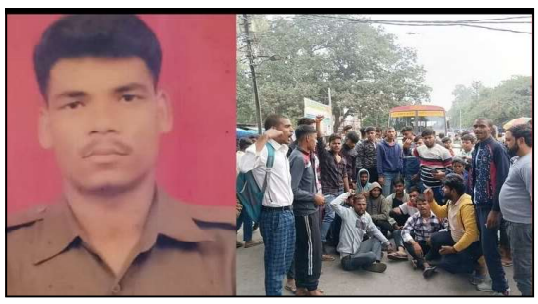

विरोध में भड़के लोगों ने बाह चौराहे पर हाइवे जाम कर दिया। इस दौरान पुलिस प्रशासन मुर्दाबाद और नीरज सिंह अमर रहे के नारे लगाए। जाम में एंबुलेंस और बस समेत सैकड़ों वाहन फंसे हुए हैं। बुधवार देर रात हवलदार का शव बिजौली स्थित घर पहुंचा था। कोटा के जेडीबी कॉलेज में ईवीएम की सुरक्षा में तैनात बाह के मनभावती पुरा गांव के आईटीबीपी हवलदार नीरज सिंह (36) की हार्टअटैक से बुधवार को सांसे थम गईं थीं। मनभावती पुरा के लालाराम के चार बेटों में से शिवप्रकाश सीआरपीएफ में हवलदार, राजेन्द्र सिंह एसएसबी में तैनात हैं, जबकि नीरज सिंह आईटीबीपी में हवलदार थे। बड़े भाई केशव सिंह ने बताया कि बुधवार को ईवीएम की सुरक्षा की ड्यूटी के दौरान उनकी तबीयत बिगड़ गई। उन्हें इलाज के लिए एमबीएस हॉस्पीटल में भर्ती कराया गया था। जहां पर चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। हार्टअटैक से जान जाने की सूचना मिली है। बुधवार देर रात उनका शव घर पर पहुंचा। नीरज सिंह की मौत से परिवार मातम में और मनभावती पुरा गांव शोक में डूब गया है।

बिजली महकमा बढ़ाएगा नलकूप के ट्रांसफॉर्मरों की क्षमता

संवाददाता

हाथरस। बिजली महकमा अब किसानों के निजी नलकूपों पर लगे ट्रांसफॉर्मरों पर ओवरलोडिंग की समस्या को दूर करेगा। इससे किसानों को बार–बार होने वाली ट्रिपिंग से भी निजात मिल जाएगी और उन्हें निर्बाध विद्युत आपूर्ति मिल सकेगी, जिससे किसान अपनी फसलों की सिंचाई बेहतर तरीके से कर सकेंगे। करीब 339.50 करोड़ के बिजनेस प्लान के तहत विद्युत महकमा यह कार्य कराएगा। गौरतलब है कि सिंचाई के लिए मोटर आदि चालू हो जाने से ट्रांसफॉर्मरों पर भार बढ़ जाता था, जिससे लो वोल्टेज और बार–बार ट्रांसफॉर्मर जलने और खराब होने से किसान परेशान थे, जिससे फसलों की सिंचाई में भी व्यवधान पहुंच रहा था। लिहाजा, बिजली महकमे ने किसानों की सिंचाई के दौरान आने वाली इस समस्या का समाधान कर दिया है। जल्द ही ट्रांसफॉर्मरों की क्षमतावृद्धि का कार्य शुरू कर दिया जाएगा। गांव उघई में उमा महाराज, गांव मांगरू में राजेंद्र, गांव मीरपुर में दाताराम के निजी नलकूप पर स्थापित 63 केवीए के ट्रांसफॉर्मर की क्षमतावृद्धि कर इसे 100 केवीए किया जाएगा। इसके अलावा गांव गढ़ी भगता में छत्तर सिंह के निजी नलकूप, गांव गढ़ उमराव में कीर्तिराम के निजी नलकूप के 25 केवीए के ट्रांसफॉर्मरों की क्षमतावृद्धि कर उन्हें 63 केवीए का किया जाएगा। गांव झगरार में प्रमोद के नलकूप के पास स्थापित 100 केवीए ट्रांसफॉर्मर की ओवरलोडिंग को खत्म करने के लिए एक नया 63 केवीए का ट्रांसफॉर्मर लगाया जाएगा। गांव सलेमपुर में कांता प्रसाद के नलकूप के पास स्थापित 100 केवीए के ट्रांसफॉर्मर के पास एक और नया 63 केवीए का ट्रांसफॉर्मर लगाया जाएगा। गांव लोधई में भगवान सिंह और गांव धाधऊ में विनय कुमार जैन व गावं धाधऊ में निरंजनलाल, गांव लोधई में तेज सिंह, गांव धाधऊ में सनेहीराम के निजी नलकूप पर स्थापित 63 केवीए के ट्रांसफॉर्मरों को 100 केवीए का किया जाएगा। गांव कोकना खुर्द में महादेवी और गांव मीरपुर में महावीर सिंह, गांव नगला रमजू में बृजेश और गांव सलेमपुर में पुष्पेंद्र, गांव नगलास सेवा में सत्यवीर सिंह, गांव थरौरा में भोले सिंह, गांव बागपुर में राधेश्याम, गांव लोकेरा में भगवान सिंह के निजी नलकूप पर स्थापित 25 केवीए के ट्रांसफॉर्मरों की अतिभारिता को दूर कर 63 केवीए का किया जाएगा।

नए कुलपति के नाम पर मुहर लगने का इंतजार, दिसंबर के दूसरे सप्ताह में आ सकती है खबर

संवाददाता

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (एएमयू) के नियमित कुलपति के नाम पर मुहर लगने का इंतजार शिद्दत से हो रहा है। उम्मीद जताई जा रही है कि दिसंबर के दूसरे सप्ताह में दिल्ली से कुलपति बनने की खबर आ सकती है। छह नवंबर को एएमयू कोर्ट सदस्यों ने कुलपति पैनल में शामिल पांच में से तीन लोगों को चुना था। कुलपति पद के उम्मीदवार प्रो. एमयू रब्बानी को सर्वाधिक 61 मत मिले थे, जबकि प्रो. फैजान मुस्तफा को 53 और प्रो. नईमा खातून को 50 मत मिले थे। अगले दिन एएमयू कोर्ट की कार्यवाही दिल्ली भेज दी गई थी, लेकिन अभी तक दिल्ली से नए कुलपति की खबर नहीं आई है। कुलपति पद के दावेदारों की पत्रावली पहले शिक्षा मंत्रालय, फिर विधि मंत्रालय के बाद राष्ट्रपति के पास जाएगी। यहीं पर नए कुलपति के नाम पर मुहर लगेगी। उधर, स्थाई, अस्थाई और दैनिक भत्ता भोगी कर्मचारियों का विभिन्न मांगों को लेकर कुलपति कार्यालय के सामने धरना जारी है। नए कुलपति के सामने इन कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान सहित छात्रसंघ चुनाव, गैर शिक्षणेत्तर कर्मचारी संघ का चुनाव, स्कूलों में शिक्षकों की स्थाई नियुक्ति के लिए चयन प्रक्रिया की चुनौतियां

भी होंगी। वहीं, कुलपति पैनल प्रक्रिया मानक के विपरीत होने का मामला भी उच्च अदालत में विचाराधीन है।

9 दिसंबर को लेगेगी लोक अदालत, अधिक से अधिक वाद निपटाने पर जोर

संवाददाता

हाथरस। हाथरस जनपद न्यायाधीश सतेंद्र कुमार ने 9 दिसंबर को लगने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के संबंध में न्यायिक अधिकारियों के साथ 29 नवंबर को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष में बैठक की। उन्होंने अधिक से अधिक वादों का निस्तारण लोक अदालत के माध्यम से करने के निर्देश दिए। अपर जनपद न्यायाधीश और नोडल अधिकारी महेंद्र श्रीवास्तव की उपस्थिति में हुई बैठक में जनपद न्यायाधीश ने राष्ट्रीय लोक अदालत में अंतिम रूप निस्तारण के लिए तैयार वादों के संबंध में समीक्षा की और ज्यादा से ज्यादा वादों के निस्तारण के संबंध में विचार–विमर्श किया। विशेष न्यायाधीश एससी/एसटी एक्ट रामप्रताप सिंह, विशेष न्यायाधीश पॉक्सो अधिनियम चित्रा शर्मा, एडीजे/एफटीसी कोर्ट संख्या–2 विनीत चौधरी, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नम्रता शर्मा, सिविल जज(व.प्र.) व प्रभारी सचिव, मुन्नालाल, अपर सिविल जज (व.प्र.) अनु चौधरी, सिविल जज(व.प्र.)/एफटीसी आशीष थिरानिया, सिविल जज (क.प्र.) श्रुति त्रिपाठी, अपर सिविल जज (क.प्र.) चारू सिंह, अपर सिविल जज (क.प्र.), आंचल चंदेल, अपर सिविल जज (क.प्र.), हर्षिका रस्तोगी, अपर सिविल जज (क.प्र.) अनिष्का चौधरी, सिविल जज (क.प्र.) सिकंदराराऊ अभिषेक चौधरी, सिविल जज (क.प्र.) एफटीसी प्रथम शिवजी यादव, सिविल जज (क.प्र.) व न्यायिक मजिस्ट्रेट सादाबाद मिताली सोनकर मौजूद थीं।

मामूली कहां सनी में दबंग ने पति पत्नी को पीटा

तरूण प्रवाह लखनऊ। मोहनलालगंज थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक गांव में नशे में धुत दबंग ने मामूली कहा सुनी को लेकर पति पत्नी को बुरी तरह पीटा दिया। चीख पुकार सुन मोहल्ले के लोगों को आता देख जान से मारने की धमकी देते हुए आरोपी मौके से फरार हो गया। मोहनलालगंज थाना क्षेत्र के अंतर्गत केशरी खेड़ा मजरा सिसेंडी गांव निवासी राजेश कुमार ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि वह बृहस्पतिवार को सुबह करीब 8 बजे मेरा सगा भाई राजेन्द्र कुमार शराब के नशे में धुत होकर गाली गलौज करने लगा। विरोध करने पर आरोपी ने उनके साथ मारपीट की और सर पर पत्थर से मारकर लहूलुहान कर दिया। जिसकी चीख पुकार सुन मोहल्ले के लोग दौड़े तो आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गया। पीड़ित ने थाने पहुंचकर पुलिस को मामले की लिखित तहरीर दी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दी।

सड़क पर डामर पड़ते ही उखड़ने लगी सड़क की गिट्टी, जिलाधिकारी से शिकायत

तरूण प्रवाह हरदोई। माधौगंज विकास खण्ड के पिलखना–हुमायूंपुर सम्पर्क मार्ग की सड़क पर डामर पड़ते ही उखड़ने लगी है। जिसको लेकर ग्रामीण ठेकेदार पर मनमानी का आरोप लगा रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि पहले से बनी सड़क की मरम्मत के लिए डामरयुक्त गिट्टी डालने में गुणवत्ता का ध्यान नही रखा गया है। जगह–जगह गिट्टी उखड़ने लगी है सरकारी धन का दुरूपयोग किया गया है। हुमायूंपुर गांव के निवासी अरविन्द गुप्ता ने जिला पंचायत राज अधिकारी को जनसुनवाई के माध्यम से शिकायत भेजकर बताया कि लगभग एक किलोमीटर रोड का डामरीकरण किया गया 24 नवम्बर को पूरा हुआ कि एक हफ्ते में ही गिट्टी उखड़ने लगी है। निर्माण कार्य मानक के अनुसार न होने से जल्द ही सड़क गड्ढों में तब्दील हो जाएगी। शिकायतकर्ता ने लीपापोती का आरोप लगाते हुए कराए गए कार्य की जांच कराने की मांग की है।

भतीजे ने ताऊ पर किया हमला, वजह कर देगी हैरान, मुकदमा दर्ज

संवाददाता

आगरा। आगरा के थाना शाहगंज के शिवाजी नगर में मंगलवार शाम को ताऊ पर भतीजे ने हमला बोल दिया। पुलिस के पहुंचने पर आरोपी भाग निकला। मामले में मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोपी की खोजबीन की जा रही है। थाना शाहगंज के प्रभारी निरीक्षक आलोक सिंह ने बताया कि शिवाजी नगर में मंगलवार को झगड़े की सूचना मिली थी। इस पर पुलिस पहुंच गई। कालोनी के रहने वाले एमपी सिंह का अपने भतीजे छोटू जादौन से विवाद चल रहा है। पुलिस की पूछताछ में एमपी सिंह ने बताया कि वह पहली मंजिल पर मकान में रहते हैं। भाई विनोद पाल सिंह और भतीजों का परिवार भूतल पर रहता है। दूसरी मंजिल पर उन्होंने अपने रिश्तेदार रखे हुए हैं। इस बात पर भतीजा छोटू नाराज हैं। वह झगड़ा करता है। पूर्व में भी विवाद हुआ था। अब छोटू ने फिर से मारपीट और गालीगलौज की।

दाऊजी मेला ठेकेदार के खिलाफ मुकदमा दर्ज, नहीं किए 88 लाख रुपये जमा

संवाददाता

हाथरस। ब्रज क्षेत्र के लक्खी मेला श्रीदाऊजी महाराज के ठेकेदार के खिलाफ 88 लाख रुपये जमा न करने के मामले में तहसीलदार सदर ने धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कराया है। प्रशासन की ओर से मेले का ठेका 1.16 करोड़ रुपये में उठाया था। तहसीलदार सदर चंद्रप्रकाश सिंह ने मुकदमा दर्ज कराते हुए कहा है कि मेले का ठेका मेसर्स सिंह कंस्ट्रक्शन एंड कंपनी के मालिक रवेंद्र सिंह निवासी आनंद विहार बरौली अहीर आगरा ने आठ सितंबर 2023 को एक करोड़ सोलह लाख पांच हजार रुपये में जीएसटी सहित लिया था। उन्होंने कहा कि ई– निविदा पोर्टल के जरिये रवेंद्र सिंह को मेला तहबाजारी का ठेका दिया गया था। ठेका नीलामी की शर्तों के मुताबिक उच्चतम बोलीदाता को तुरंत ही नीलामी की 50 प्रतिशत धनराशि जमा करनी थी। शेष 50 फीसदी धनराशि 15 दिन के अंदर जमा करनी थी, लेकिन फर्म के संचालक ने एक करोड़ सोलह लाख पांच हजार रुपये का भुगतान तय समय अवधि के तहत नहीं किया। बैंक विवरण के अनुसार ठेकेदार ने मात्र 28 लाख रुपये ही जमा किए। शेष 88 लाख पांच हजार रुपये की धनराशि बकाया है। उन्होंने कहा है कि ठेकेदार द्वारा ठेके के जरिये काफी राशि वसूली जा चुकी है मगर ठेके की धनराशि जमा नहीं की है। कोतवाली प्रभारी विजय कुमार ने बताया कि प्रशासन की ओर से मिली तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। विवेचना के आधार पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। गलत आरोप लगाए जा रहे हैं। प्रशासन की ओर से हमारे साथ कोई अनुबंध नहीं किया गया था, फिर भी हमने मेले का आयोजन किया। पर्यटन विभाग की वेबसाइट पर डाली गई निविदा के आधार पर हम पूरा भुगतान करने के लिए तैयार हैं। हमने एक करोड़ 16 लाख पांच हजार रुपये में टेंडर लिया था।

तरूण प्रवाह
हिन्दी दैनिक
स्वामी,प्रकाशक एवं मुद्रक सीमा मौर्या द्वारा गायत्री प्रिंटर्स 548प/12 बलदेव खेड़ा मानक नगर लखनऊ उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं 504 रामनगर बालागंज चौक जनपद–लखनऊ 226003 (उ0प्र0) से प्रकाशित।
सम्पादक
रिंकू मौर्या
मो0:– 7905678408
Email
tarunpravah2016@gmail.com
समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।